

प्रातः किरण

हर खबर पर पकड़

f /Pratahkiran

/Pratahkiran

/Pratahkiran



11 14 गेंद में एक रन नहीं बना पाने से निराश हूँ ...

शेख हसीना के बेटे का बयान- देश नहीं छोड़ना चाहती ... 12

वर्ष : 12 | अंक : 117 | पटना, बुधवार, 07 अगस्त, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम अधिकतम तापमान 31°C न्यूनतम तापमान 25.0°C

हाल में 30% नमी 50% कहर नहीं सकते

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सैंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

बांग्लादेश में हालात पर सरकार की नजर, सीमा पर सुरक्षा बल सतर्क : जयशंकर

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि सरकार बांग्लादेश के राजनीतिक घटनाक्रम पर निरंतर नजर रखे हुए है और जब तक वहां कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य नहीं हो जाती भारत की गहरी चिंता बनी रहेगी। सरकार ने बांग्लादेश में अस्थिर हालात पर चिंता जताते हुए मंगलवार को कहा कि वह पड़ोसी देश की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश की स्थिति पर राज्यसभा में दिए उन्होंने कहा कि वहां के हालात से यहां भी चिंता उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि वहां जिन से हालात बिगड़ने शुरू हुए और यह स्थिति अखंडता के लिए है और उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद भी हालात नहीं

बदले। उन्होंने कहा कि जो कुछ पड़ोसी देश में हुआ, उसका एक सूत्री एजेंडा यह था कि प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा दे दें। जयशंकर ने कहा कि पांच अगस्त को कर्फ्यू के बाद भी वहां दंगे हुए। उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में शेख हसीना ने कल कुछ वक्त के लिए भारत आने की अनुमति मांगी थी और उनका अनुरोध स्वीकार कर उन्हें यहां आने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अभी भी अस्थिर हालात हैं। उन्होंने कहा कि सरकार राजनयिक मिशनों के माध्यम से बांग्लादेश में भारतीय समुदाय के साथ निरंतर संपर्क में है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में एक अनुमान के अनुसार 19,000 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें 9,000 छात्र हैं। उन्होंने कहा कि जुलाई में अधिकतर छात्र भारत लौट आए। विदेश मंत्री ने कहा कि पड़ोसी देश के साथ लगने वाली सीमा पर सुरक्षा बलों को आत्यधिक सतर्कता बरतने के



निर्देश दिए गए हैं।

राजनीतिक घटनाक्रम पर सर्वदलीय बैठक में चर्चा: सरकार ने मंगलवार को संसद भवन में एक सर्वदलीय बैठक में बांग्लादेश में राजनीतिक घटनाक्रम पर लौट आएं। विदेश मंत्री ने कहा कि पड़ोसी देश के साथ लगने वाली सीमा पर सुरक्षा बलों को आत्यधिक सतर्कता बरतने के

मौजूदा स्थिति और बांग्लादेश में सामने आ रहे हालात पर भारत के रुख के बारे में भी जानकारी दी। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में संसद भवन में हुई बैठक की तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में चल रहे घटनाक्रम के बारे में आज संसद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश की

बांग्लादेश की संसद आधिकारिक तौर पर भंग

प्रातः किरण

ढाका। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शाहबुद्दीन ने अंतिम प्रशासन के गठन के लिए मंगलवार को संसद को भंग कर दिया। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने आज दोपहर तीन बजे तक संसद को भंग करने का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो वे बड़े पैमाने पर कार्यक्रम की घोषणा की करेंगे। आंदोलन के एक प्रमुख समन्वयक नाहिद इस्लाम ने फेसबुक

वीडियो के माध्यम से मंगलवार को सुबह यह जानकारी दी। इस दौरान, उनके साथ सखी समन्वयक आसिफ महमूद और अबु बकर मजूमदार भी थे। **हसीना के देश छोड़ने के बाद से 100 से अधिक की मौत:** शेख हसीना के बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से सोमवार को इस्तीफा देने और देश छोड़कर चले जाने के बाद वहां पैदा हुई अराजकता के बीच देशभर में हिंसा की घटनाओं में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गई। कई समाचार रिपोर्टों में मंगलवार को यह जानकारी दी गई।

गयीं। सर्वसम्मति से दिये गये समर्थन और किरने रिजजु, विपक्ष के नेता राहुल गांधी जयशंकर के अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्य मंत्री

संक्षिप्त खबरें

राहुल का बांग्लादेश को लेकर सरकार को सहयोग का गरोसा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि बांग्लादेश में शांति बहाली को लेकर वह सरकार को हर तरह से अपना समर्थन देंगे। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार श्री गांधी ने बांग्लादेश के मुंबई पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सरकार से विदेश नीति पर भी सवाल पूछा लेकिन कहा कि बांग्लादेश में जारी संकट को रोकने के लिए वह सरकार को समर्थन देंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार बैठक में श्री गांधी ने सरकार की विदेश नीति और खासकर बांग्लादेश की घटनाओं के लेकर सवाल किए लेकिन कहा कि राष्ट्रहित में जो भी कदम उठाए जाएं उनका वह समर्थन करेंगे। उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर भी चिंता जताई और कहा कि वहां अल्पसंख्यकों की स्थिति एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है, उनकी संपत्तियों पर हमलों की रिपोर्ट हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी अस्पताल में मर्ती

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी को मंगलवार को दिल्ली के एक प्रमुख निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी सूत्रों ने बताया कि आडवाणी की हाटत स्थिर है। अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि आडवाणी को अगले अस्पताल में भर्ती किया गया। जुलाई के पहले हफ्ते में भी, आडवाणी को इस अस्पताल में भर्ती किया गया था और दो दिन चिकित्सकीय देखरेख में रखने के बाद (अस्पताल से) छुट्टी दे दी गई थी। उन्हें न्यूयॉर्क में विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में रखा गया था।

झारखंड : स्टील प्लांट में जोरदार विस्फोट, 7 मजदूर शूलसे

रांची। झारखंड के हजारीबाग जिला अंतर्गत बरही में पवनपुत्र स्टील प्लांट में एलॉय प्लांट में ब्लास्ट से 7 मजदूर बुरी तरह शूलसे गए हैं। इनमें से कुछ की मौत की आशंका जताई जा रही है, लेकिन आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है। गंभीर रूप से जख्मी चार मजदूरों को इलाज के लिए हजारीबाग स्थित आरोग्यम हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है। बताया गया कि प्लांट की चिमनी में दोपहर 12 बजे के आसपास धमाके के साथ ब्लास्ट हुआ।

सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक

अवैध खनन की सूचना देने पर इनाम देगी सरकार

छोटे वाहनों के लिए 5 हजार व बड़े वाहनों के लिए 10 हजार का इनाम



प्रातः किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। बैठक में कुल 36 एजेंडों पर मुहर लगी। कैबिनेट ने बड़ा फैसला लेते हुए बालू-गिट्टी सहित अन्य लघु खनिजों के अवैध खनन एवं परिवहन संबंधी आपूर्ति तथा कार्रवाई के लिए सूचनादाताओं को पुरस्कार देने की योजना को स्वीकृति दे दी है। इसके तहत बालू की अवैध धुलाई और खनन की जानकारी देने वालों को इनाम दिया जाएगा। अवैध खनन एवं परिवहन में लिप्त ट्रैक्टर जैसे छोटे वाहनों के लिए सटीक सूचना देने वालों को उनकी पहचान गुप्त रखते हुए पांच हजार की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वहीं ट्रक एवं अन्य बड़े वाहनों की सही सूचना देने वालों को दस हजार की प्रोत्साहन राशि सरकार की ओर से दिया जाएगा।

लोगों के बीच सकारात्मक संदेश जाएगा : राज्य के खनन मंत्री सह उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि सरकार के इस पहल

पीएमसीएच में 4315 नए पदों पर होगी बहाली

बिहार के सबसे बड़े अस्पताल पीएमसीएच में चंपर बहाली होगी। मंत्रिमंडल ने पीएमसीएच में 4315 नए पदों के सृजन का प्रस्ताव स्वीकृत किया है। यहां 5462 शैया वाले नए चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल का निर्माण हो रहा है। इसे एम्स दिल्ली के मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है।

से सुशासन के प्रयासों से हमारे सामाजिक योद्धा सीधे तौर पर जुड़ पाएंगे। प्रोत्साहन राशि के प्रावधान से ईमानदार लोगों के बीच सकारात्मक संदेश तो जाएगा ही साथ ही खनन उद्योग में स्वस्थ प्रतियोगिता भी विकसित होगी। यह उपभोक्ता और उद्यमी दोनों के लिए फायदे की स्थिति होगी। विभागीय कार्यालय में मीडिया से बातचीत के दौरान मंत्री ने बताया कि इसके लिए

बिहार खरीद अधिमानता नीति-2024 स्वीकृत स्थानीय लोगों को मिलेंगे रोजगार के अवसर : सम्राट

पटना। मंगलवार को राज्य कैबिनेट से बिहार खरीद अधिमानता नीति-2024 को स्वीकृत किया गया है। उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि इसके लागू होने से जहां राज्य के स्थानीय औद्योगिक इकाईयों, उद्यमों का विकास होगा, वहीं उनमें प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। इसके साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अधिकाधिक अवसर सृजित होंगे। स्थानीय उत्पादों की खरीद को बढ़ावा मिलेगा, जिससे उद्यमियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस नीति के तहत वस्तु एवं सेवा से संबंधित खरीद के लिए स्थानीय सामग्री की न्यूनतम सीमा 30 प्रतिशत तक की जाएगी है। यानी हर खरीद के लिए 30 प्रतिशत इकाईयों व उद्यमों को कम से कम 30 प्रतिशत सामग्री व सेवा स्थानीय स्तर पर लेने की अनिवार्यता निर्धारित की गई है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि वस्तुओं के लिए स्थानीय उद्यम का मतलब बिहार में निर्बाधित इकाई और यहीं पर होने वाले उत्पादन से है। इसी

नंबर भी विभाग ने जारी किया है।

इस नंबर पर फोन कर दे सकते हैं जानकारी : मंत्री ने बताया कि अवैध खनन की जानकारी देने के लिए मोबाइल संख्या 94731-91437 तथा 99395-96554 पर अवैध खनन एवं परिवहन की जानकारी दे सकते हैं। इन दोनों नंबरों पर 24 घंटे अवैध खनन की जानकारी दी जा सकती है।

खनन की गाड़ियों की पहचान के लिए वाहनों पर लाल पट्टी : मंत्री ने आगे बताया कि खनन गाड़ियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए सभी गाड़ियों पर 20 इंच चौड़ाई की लाल पट्टी

प्रकार सेवा के मामले में स्थानीय उद्यम उसे माना जायेगा जो निविदा प्रकाशन की तिथि से कम से कम एक वर्ष पूर्व से बिहार में काम कर रहा हो तथा एक वर्ष से सुविधा एवं सेवा कर विवरणी दाखिल किया हो। इसके अलावा उस उद्यम में कुल काम करने वालों में कम से कम 50 प्रतिशत बिहार के निवासी हो। श्री चौधरी ने कहा कि इस नीति में विशेष श्रेणी के उद्यम में बिहार में अवस्थित सूक्ष्म एवं लघु उद्यम इकाई तथा स्टार्टअप को रखा गया है। ऐसे उद्यमों को निविदा की अग्रगण्य राशि/प्रतिभूति राशि से छूट के साथ ही निविदा के सेट मुफ्त में दिए जायेंगे। बिहार के स्टार्टअप को नामांकन के आधार पर 10 लाख रुपये तक का कार्य दिया जा सकता है। इस नीति के अंतर्गत मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य खरीद अधिमानता स्थानीय समिति के गठन का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक तीन महीने पर इसकी समीक्षा और नीति अनुपालन में कोताही पर उचित कार्रवाई का प्रावधान किया गया है।

पेंट कराई जा रही है। जिस पर गाड़ी का नम्बर एवं खनन विभाग का रजिस्ट्रेशन नम्बर अंकित होगा। गाड़ियों की पहचान सुनिश्चित करने की यह प्रक्रिया 31 अगस्त तक पूरी करा ली जाएगी। **परिवहन विभाग में 102 लिपिक की बहाली** : मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के तहत 12500 बेरोजगार युवकों को सहायता राशि दी जाएगी। कैबिनेट ने योजना के 1 साल विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। परिवहन विभाग के तहत क्षेत्रीय कार्यालय में 102 निम्न वरीय लिपिक की बहाली होगी।

लालू-तेजस्वी के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल

जमीन के बदले नौकरी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई



प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। ईडी ने लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी प्रसाद यादव के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। जमीन के बदले नौकरी मामले में ईडी ने पूरक आरोपपत्र दाखिल किया है। इसमें राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत 10 लोगों को आरोपी बनाया गया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की सुनवाई करेगी। जमीन के बदले नौकरी घोटाले के मामले में राजद एव्यू कोर्ट में पहला पूरक आरोप पत्र दाखिल किया गया है। नई पूरक चार्जशीट 1000 पन्नों की है। ईडी द्वारा दायर मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा दर्ज की गई एक आईआर से निकला है। लालू यादव और तेजस्वी यादव के अलावा आठ अन्य को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट

दाखिल होने के बाद अब बहस शुरू होगी जिसके लिए 13 अगस्त की तारीख तय की गई है। गौरतलब है कि कथित घोटाला उस समय का है जब लालू यादव यूपीए-1 सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि 2004 से 2009 के बीच भारतीय रेलवे के अलग-अलग जोन में गुप्त डी के पदों पर कई लोगों की नियुक्ति की गई और बदले में इन लोगों ने अपनी जमीनें तत्कालीन रेल मंत्री लालू यादव के परिवार के सदस्यों और उनकी संबंधित कंपनी एके इंप्रोसिस प्राइवेट लिमिटेड के नाम कर दी। इसी मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने 26 जून को एक अन्य आरोपी अमित कत्याल को जमानत दे दी थी। ईडी के मुताबिक कत्याल एके इंप्रोसिस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक थे। उन्हें मेडिकल आधार पर छह हफ्ते की अंतरिम जमानत दी गई थी। कत्याल को प्रवर्तन निदेशालय ने 11 नवंबर, 2023 को धन शोधन निवारण अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया था।

कोई भी राज्य पश्चिम बंगाल का मॉडल नहीं अपनाता चाहेगा : शाह

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस नीत ममता बनर्जी सरकार पर कटाक्ष करते हुए आश्चर्य जताया कि क्या कोई राज्य वामपंथी उग्रवाद को रोकने के संदर्भ में उनके मॉडल को लागू करना चाहेगा। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत राय ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा और आंध्र प्रदेश का हवाला देते हुए



कहा कि वामपंथी उग्रवाद की समस्या पिछले 10-15 सालों से इन राज्यों में है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार वामपंथी उग्रवाद से निपटने में सफल रही है। उन्होंने सदन में गृह मंत्री से सवाल किया कि क्या वे पश्चिम

बंगाल के मॉडल का अध्ययन कर इसे अन्य राज्यों में भी लागू करेंगे। सौगत राय के सवाल पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुस्कराते हुए खड़े हुए और कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को उन राज्यों के मॉडल को लागू करने में कोई दिक्कत नहीं है। जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन मैं मानता हूँ कि कोई भी राज्य नहीं चाहेगा कि वहां पश्चिम बंगाल का मॉडल अपनाया जाए।

हसीना की यात्रा योजना में अड़चन, विकल्पों पर विचार

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की यात्रा योजना कुछ अनिश्चितताओं के कारण अटक गई है और अगले कुछ दिनों तक उनके भारत से बाहर जाने की संभावना नहीं है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद सोमवार को हिंडन एयरबेस पर उतरीं हसीना

अब वह अन्य विकल्पों पर विचार कर रही हैं, क्योंकि ब्रिटेन सरकार ने संकेत दिया है कि उन्हें किसी भी संभावित जांच के खिलाफ ब्रिटेन में कानूनी सुरक्षा नहीं मिल सकती है। सूत्रों ने बताया कि अगामी लीग की नेता हसीना ने भारत के रास्ते लंदन जाने की योजना बनाई थी और उनके सहयोगियों ने हिंडन पहुंचने से पहले भारतीय अधिकारियों को इस बारे में सूचित कर दिया था। ब्रिटेन के विदेश

मंत्री डेविड लैमी ने सोमवार को लंदन में एक बयान में कहा कि बांग्लादेश ने पिछले कुछ हफ्तों में अभूतपूर्व स्तर की हिंसा और जान-माल की दुखद हानि देखी है और देश के लोग घटनाओं की संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में पूर्ण और स्वतंत्र जांच के हकदार हैं। सूत्रों ने कहा कि हसीना की यात्रा योजनाओं में कुछ अड़चन आ गई है और वह अगले कुछ दिनों तक भारत में ही रह सकती हैं।

सम्मान मुर्मू को फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, शाह ने दी बधाई

भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से उभर रहा है : राष्ट्रपति मुर्मू

प्रातः किरण

सुवा/नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दक्षिण प्रशांत महासागरीय द्वीप देश फिजी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी से नवाजा गया है। सुश्री मुर्मू फिजी की सरकारी यात्रा पर यहां पहुंची हैं। वह यहां की यात्रा करने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति हैं। राजधानी सुवा के स्टेड हाउस में सोमवार को आयोजित समारोह में फिजी के राष्ट्रपति रातु विलियम मैवलिली काटोनिवेरे ने सुश्री यह पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत और फिजी के बीच गहरी मित्रता का प्रतीक है। उन्होंने फिजी की संसद को भी संबोधित



किया और सांसदों से बातचीत की। सुश्री मुर्मू ने अपने संबोधन में इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि लोकतंत्र, बहुलवाद और विविधता के साझा मूल्य किस तरह दोनों देशों

को एक-दूसरे के करीब लाते हैं। उन्होंने कहा, भौगोलिक आकार में भारी अंतर के बावजूद भारत और फिजी दोनों में बहुत कुछ समान है, जिसमें हमारे जीवंत लोकतंत्र, हमारे

समाजों की विविधता, हमारा पंथ कि सभी मनुष्य समान हैं, और प्रत्येक व्यक्ति की स्वतंत्रता, सम्मान और अधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता। इससे पहले सुवा पहुंचने पर सुश्री मुर्मू का हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री सिटिवेने राबुका ने स्वागत किया। बाद में प्रधानमंत्री की मौजूदगी में सुश्री मुर्मू के सम्मान में पारंपरिक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलने पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बधाई देते हुए कहा कि इससे न केवल विश्व मंच पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है, बल्कि दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध भी मजबूत हुए हैं। **भारत और फिजी में जीवंत**

लोकतंत्र काफी कुछ एक समान : फिजी की दो दिवसीय यात्रा पर गई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को वहां की संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से उभर रहा है। भारत एक मजबूत, लचीला और अधिक समृद्ध राष्ट्र बनने के साथ-साथ प्राथमिकताओं के अनुसार फिजी के साथ साझेदारी की पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए एक साथ आने को कहा। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आकार में बहुत अंतर होने के बावजूद भारत और फिजी में जीवंत लोकतंत्र सहित काफी कुछ एक समान है।

बांग्लादेश हिंसा : बिहार पुलिस मुख्यालय ने जारी किया अलर्ट

प्रातः किरण

पटना। बांग्लादेश में उपद्रव और हिंसा को लेकर बिहार में अलर्ट जारी किया गया है। पुलिस मुख्यालय ने सभी सीमावर्ती जिलों में पुलिस और एएसबी को अलर्ट रहने को कहा है। सीमा वाले इलाकों में सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ साथ किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए बिहार पुलिस और एएसबी को तैयार रहने को कहा गया है। सीमांचल में बांग्लादेश और बिहार की सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। कटिहार और कुशिनगंज से बांग्लादेश की सीमा सटी अलर्ट किया गया है और 24 घंटे निगरानी ने सीमावर्ती जिलों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। साथ ही एएसबी को सतर्क किया गया है और 24 घंटे निगरानी रखने को कहा गया है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर पुलिस और एएसबी अलर्ट मोड में आ गए हैं। बांग्लादेश और बिहार के सीमावर्ती इलाकों में गाड़ियों की और हर आने-जाने वालों की सघन जांच की जा रही है।

बांग्लादेश की जेल से निकले सैकड़ों कैदी, बंगाल सीमा पर घुसपैट का खतरा

गये। प्रदर्शनकारियों ने कई कैदियों को छोड़ा लिया। इंटेलेजेंस ब्यूरो सूत्रों के मुताबिक हसीना सरकार के दौरान भारत विरोधी गतिविधियों के लिए जमात और इस्लामिक छात्र संगठन के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। उन पर आतंकी गतिविधियों का समर्थन करने के कई आरोप लगे थे। सूत्रों के मुताबिक उनमें से कईयों को मुक्त कर लिया गया है। ऐसे में सीमा पर घुसपैट और अन्य गड़बड़ियों का खतरा बढ़ गया है। बांग्लादेश में रात के अंधेरे में तोड़फोड़ और आगजनी की खबरें आने के बाद बीएसएफ ने सतर्कता बढ़ा दी है। हसीना की पार्टी और अवामी लीग के सदस्यों पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। आरोप है कि उनके घर जलाए जा रहे हैं। परिणामस्वरूप इस संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि वे सीमा पार कर इस देश में भी आने की कोशिश कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

अरदास के साथ रिहाइश निर्माण का कार्य शुरू

पटना सिटी (प्राकि)। बाबा अमरीक सिंह जी कारसेवा पटियालावाले की ओर से 125 कमरे का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही स्मूजियम भी बनवाया जा रहा है। तख्तश्री हरमंदिर जी पटना साहिब में चल रहे इस निर्माण कार्य की दूसरे तल्ले का मंगलवार को लिंटर का काम शुरू हुआ। इसके पूर्व तख्तश्री पटना साहिब के जत्थेदार सह मुख्य ग्रंथी ज्ञानी बलदेव सिंह और अतिरिक्त मुख्य ग्रंथी ज्ञानी दिलीप सिंह ने अरदास किया। इस दौरान प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरमंदिर जी पटना साहिब के महासचिव इंद्रजीत सिंह, डॉक्टर संतोष सिंह आगवाले के अलावा बाबा अमरीक सिंह जी पटियालावाले, बाबा गुरदीप सिंह, बाबा लक्खा जी आदि मौजूद थे। अरदास के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इसके बाद सबों ने मित्रकर कारसेवा की। इस दौरान कहा गया कि बाबा जोरदार सिंह और बाबा फतेह सिंह के नाम पर 125 कमरे का भवन का निर्माण किया जाना है। इसके साथ ही स्मूजियम भी बनाया जाना है। काम को तेजी से पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि आने वाले प्रकाश पर्व पर संगतों को सुविधा मिल सके।

लूटपाट गिरोह का सरगना गिरफ्तार

पटना सिटी (प्राकि)। आलमगंज थाना की पुलिस ने लूटपाट करने वाले गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया है। एसपी शरथ आरएस ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान मंगलवार को बताया कि आलमगंज थाना के थानाध्यक्ष राजीव कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने बेलदरगंज के दुर्गा चरण लेन का रहने वाला सरगना वरुण कुमार को गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि विभिन्न थाना क्षेत्रों में लूटी गयी बाइक, चोरी व छिनी गई बाइक दस की संख्या में बरामद किया गया है। गिरफ्तार सरगना के खिलाफ बरा थाना क्षेत्र में कठीब दस मामला दर्ज है। इसमें आर्स एक्ट, लूट और आपराधिक मामला शामिल है। गिरफ्तार वरुण के पास से नदी थाना और आलमगंज थाना में लूट में उपयोग की गई बाइक के साथ साजेकला में लूटी गई मोटरसाइकिल और घटना में उपयोग किए गए स्कूटी भी बरामद किया गया है।

बालिका मध्य विद्यालय में अतिथि भोजन का हुआ आयोजन

दानापुर नगर के खगोल। बालिका मध्य विद्यालय में मंगलवार को अतिथि भोजन का आयोजन किया गया। जहां कार्यक्रम की शुरुआत अतिथि खगोल नगर अध्यक्ष सुनील कुमार, रेलवे स्कूल के प्राचार्य ज्ञानेश्वर एवं बीईओ माला कुमारी के द्वारा केक काटकर आयोजन का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर बालिका मध्य विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहन पासवान ने कहा कि शिक्षा विभाग की ओर से अतिथि भोजन का कार्यक्रम किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य था कि प्रती लोगों को जागरूक करवाते हैं। प्रणामाभ्युक्तियों को आमंत्रित कर भोजन खिलाता इसमें मुख्य रूप से शामिल है। वह चाहते हैं कि ऐसा आयोजन हमेशा होता रहे। इस मौके पर मौजूद बालिका स्कूल के प्रभारी प्राचार्य मेहेरे दरशा, मोहम्मद अकबर, सामाजिक कार्यकर्ता चंद्र प्रिंस मधु कुमारी, लक्ष्मी पासवान, आशा कुमारी, फिजजा आकटीन, मधु कुमारी, धर्मद कुमार, शिक्षक सहित अन्य गण्यमान लोग मौजूद।

अंग्रेजी शराब के साथ एक युवक गिरफ्तार

दानापुर खगोल रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा प्लेटफॉर्म बर्केज करने के दौरान पश्चिम फुट ओवर ब्रिज के नीचे सूचना मिली कि एक व्यक्ति भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब लेकर कहीं जाने वाला है रेल पुलिस देर न करते अपने कार्टेबल को तुरंत एक का काम किया वहां पर एक लड़का दो पीछे बौग के साथ एक व्यक्ति को धड़ दबोला। जिनके पास से 750 एमएल कार्टी बोतल 2 लीटर 6 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद किया। गण्य पकड़े गये वीरू कुमार उम्र लगभग 26 वर्ष पीता प्रेमचंद विश्वकर्मा स, दमरशाली घाट वॉर्ड नंबर 71 थाना, माल सलामी जिला पटना। इस संबंध में जीआरपी पुलिस ने पूछताछ करने के बाद न्याय हितासत में भेजने की तैयारी की जा रही

भगवती मंदिरों में हुआ विशेष श्रृंगार

पटना सिटी (प्राकि)। सावन मास के तीसरे मंगलवार को भगवती व हनुमान मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की भीड़ जुटी थी। शक्तिपीठ श्री बड़ी पटनदेवी के महंत विजय शंकर गिरि, विकास गिरी, श्री छोटी पटनदेवी के आचार्य अनंत अभिषेक द्विवेदी व विवेक द्विवेदी, अणामकुआं स्थित शीतला माता मंदिर में पुजारी जय प्रकाश, सुनील, अमरनाथ बबलू व व्यवस्थापक पंकज पुजारी की देखरेख में, खाजेकला के नीमघाट स्थित प्राचीन काली मंदिर में मुन्ना बाबा, दीरपर स्थित काली मंदिर में शशिकांत मिश्रा के नेतृत्व में भगवती का विशेष श्रृंगार किया गया। गडहटा स्थित पटनदेवी मंदिर में बबलू पांडेय, प्यारे लाल के बाण स्थित शीतला माता मंदिर के साथ काली मंदिर व सर्मंगला देवी मंदिर, गुजुनारबाण में पूजा-अर्चना व धार्मिक अनुष्ठान किए गए।

अगले साल फरवरी तक एसजीजीएस अस्पताल का नया भवन बनकर होगा तैयार : डीएम

- रात में सर्जरी की व्यवस्था करें सीएस, जनौषधि फार्मेसी रात में भी रहे खुला
- जीविका दीदी सफाई व कपड़ा धुलाई करेगी, अस्पताल को मिलेगा मार्चुअरी पैन

पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता

सरकार के उद्देश्यों के अनुरूप सभी के लिए सुदृढ़ विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। अस्पताल के सुचारू कामकाज एवं सुविधाओं की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सबों को सजग तट पर एवं प्रतिबद्ध रहना होगा। यह बात समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल के रोगी कल्याण समिति की बैठक में अध्यक्षीय संबोधन में डीम डॉ चंद्रशेखर सिंह ने मंगलवार को कही। उन्होंने कहा कि विकास बिहार एवं आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय में सभी के लिए उत्तम स्वास्थ्य सुविधा के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी तंत्र तत्पर रहे। डीएम ने आईपीडी में सुधार करने, संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करने के लिए लोगों में विश्वास बढ़ाने तथा रोगियों के लिए निःशुल्क दवा की



हमेशा उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अस्पताल में चिकित्सकों एवं पर मेडिकल स्टाफ की रोस्टर के अनुसार समय से उपस्थिति हो। रोस्टर का प्रमुखता से अस्पताल के सूचना पट पर डिस्प्ले होना चाहिए रोगियों के प्रति व्यवहार ठीक रखा जाए। वरिष्ठ नागरिकों को प्रावधानों के अनुसार हर सुविधा मिले। अस्पताल की साफ-सफाई सुनिश्चित रहे। डीएम ने कहा कि सर्जरी की रात में व्यवस्था करने के लिए सिविल सर्जन को निर्देश दिया है। साथ ही कहा कि ब्लड बैंक भी 24 घंटे क्रियाशील रहना चाहिए। रात में भी जन औषधि फार्मेसी खुला रहे। वाटर क्लीनिंग एवं टैस्टिंग के लिए पीएचडी के गुणवत्ता नियंत्रण

विंग से समन्वय कर कार्य करने का निर्देश दिया गया है। अस्पताल को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सर्टिफिकेट एवं क्लीनिकल इंस्ट्रुक्शनमें प्रमाण पत्र के नवीनीकरण के लिए नियमानुसार कार्रवाई करने को भी कहा गया है। जिला अग्निशमन पदाधिकारी को टीम भेजकर अग्निशमन व्यवस्था की समीक्षा कर फायर एनओसी प्रदान करने के लिए कार्रवाई करने को कहा गया। अस्पताल में जीविका दीदी के द्वारा दीदी की रसोई का संचालन किया जाता है। इसे रोगियों को निःशुल्क भोजन मिलता है। इस महीना के अंत तक अस्पताल में साफ-सफाई एवं कपड़े की धुलाई की व्यवस्था भी जीविका के माध्यम से शुरू की जाएगी।

गुरु गोविंद सिंह सदर अस्पताल में न्यू बोन कैंसर सेंटर के पास मद्र शोड एवं ओपीडी के पास रोगी सह परिचर वेटिंग शेड का भी निर्माण किया जाएगा। इसके लिए सिविल सर्जन एवं उप महाप्रबंधक बीएमएसआईसीएल के निर्देशित किया गया है। डीएम ने कहा कि सिविल सर्जन यह सुनिश्चित करें कि एसएनसीयू में हर सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। ऑक्सीजन आपूर्ति को सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित हो। अस्पताल में अधीक्षक एवं उपाधीक्षक सहित अनेक पद रिक्त हैं। सिविल सर्जन को इसके लिए विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। अस्पताल के पास से जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटा दिया

गया है। चहारदीवारी की भी अच्छी व्यवस्था की गई है। फरवरी 25 तक नया भवन भी बन कर तैयार हो जाएगा। अस्पताल को एक मार्चुअरी पैन शीघ्र उपलब्ध कराया जा रहा है। रोगियों के लिए हर मॉडल पर दो-दो आरओ की व्यवस्था की गई है। पेस्ट कंट्रोल के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। रोगी कल्याण समिति द्वारा प्रस्तावित एजेंडा पर एक-एक चर्चा की गई। मरीज के हित में दवा एवं एंबुलेंस की उपलब्धता, इमरजेंसी, ऑपरेशन, पैथोलॉजी, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे एवं अन्य सुविधा, स्वच्छता सहित उन बिंदुओं पर सिविल सर्जन द्वारा उपस्थापित प्रस्ताव एवं प्रतिवेदन पर समिति के सदस्यों ने चर्चा की। डीएम डॉ सिंह ने कहा कि दूर दराज एवं वंचित समुदाय के लोगों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा ही एकमात्र स्रोत है। जरूरतमंदों को इलाज में प्राथमिकता दी जाए। अधीक्षक के द्वारा डीएम के संज्ञान में लाया गया कि अस्पताल में मरीजों के लिए 51 प्रकार का पैथोलॉजी जांच उपलब्ध है। 121 जांच रिपोर्ट उसी दिन उपलब्ध करा दिया जाता है। इस वर्ष जून माह तक ओपीडी में 59,617 मरीज का उपचार किया गया। ओपीडी के माध्यम से 3,085 मरीजों को आईपीडी (इंडोर) की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

साल के अंत तक बनकर तैयार हो जाएगा ब्लड बैंक : नंदकिशोर



पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता

मंगल तलब के पूर्वी छोर पर रामदेव महतो सामुदायिक भवन से सटे उत्तर बन रहा ब्लड बैंक इस साल के अंत तक बनकर तैयार हो जाएगा इसके अगले दो माह के अंदर यह काम करना शुरू कर देगा यह बात इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी पटना सिटी के द्वारा निमाणीधीन अत्याधुनिक ब्लड बैंक का निरीक्षण के दौरान बिहार विधानसभा के अध्यक्ष सह मुख्य संरक्षक इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने कही। उन्होंने कहा कि पटना सिटी के शहरी क्षेत्र में ब्लड बैंक स्थापित करने का उनका सपना था उनकी पत्नी स्वर्गीय किरण देवी के सैनर से पीड़ित थी और उन्हें लगातार ब्लड चढ़ाने की जरूरत पड़ती थी तो वह इस स्थिति को झेल चुके हैं यही कारण था कि उनका सपना था एक ब्लड बैंक स्थापित करने का। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी से आग्रह करने पर उन्होंने बनने वाले ब्लड बैंक के भवन के लिए अपने सांसद निधि से फंड देने

का काम किया आज वह हमारे बीच नहीं हैं मगर उनके द्वारा स्वीकृत की गई राशि से यह रक्त अधिकांश बन रहा है हम सब उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हैं। चेयरमैन गोविन्द कानोडिया ने अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का स्वागत करते हुए उन्हें कार्य योजना से अवगत कराया। विधानसभा अध्यक्ष श्री यादव ने भवन निर्माण कार्य को अक्टूबर माह तक पूरा करने और पार्किंग स्थल को सुव्यवस्थित करने का सुझाव दिया। इसके लिए उन्होंने आगे में रहे गेट को थोड़ा और चौड़ा करने की बात भी कही। रोगियों के इलाज की चिंता व्यक्त करते हुए एनओसी और बनवाने पर जोर दिया, ताकि मरीजों को चिकित्सीय लाभ भी दिया जा सके। पीछे की जो चहारदीवारी पूरी टूटी हुई है, उसके निर्माण के लिए भी विभाग के सचिव से बात की। इस अवसर पर योजना एवं भवन विभाग की सहायक अभियंता अर्पिता तिवारी, रेडक्रॉस की सचिव तारा झुनझुनवाला, संरक्षक डॉ त्रिलोकी प्रसाद येलवार, सदस्य प्रभाकर मिश्रा, पार्टलियन परिषद के महासचिव संजीव कुमार यादव, ललित अग्रवाल, अमित कानोडिया, रौली बूबना आदि उपस्थित थे।

सत्यम कुशवाहा हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कैंडल मार्च



प्रातःकिरण संवाददाता

बिहटा। सत्यम कुशवाहा हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मंगलवार को कैंडल मार्च निकाला गया। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से सत्यम के पक्षियों व क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की उदासीन रवैये पर नाराजगी जताते हुए हट्ट कैंडल मार्च में सरकार व प्रशासन से यथाशीघ्र सत्यम के हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग की। मौके पर लोगों ने कहा कि जिन अपराधियों सलाखों के पीछे होना चाहिए वे बेखौफ घूम रहे

हैं, प्रशासन अभी तक कार्रवाई में विफल है। बता दें पिछले दिनों बिहटा सिकंदरपुर निवासी सत्यम कुशवाहा को अपराधियों के द्वारा गोली मार के हत्या कर दी गई थी। उक्त घटना को अंजाम देने वाले अपराधी अभी तक गिरफ्तार नहीं होना है, जिससे नाराज लोगों ने मंगलवार को बिक्रम के नगर पंचायत के मुखिया अजित कुमार के नेतृत्व में मंचा बाबा के मंदिर से लेकर बिहटा चौक तक कैंडल मार्च निकाल कर पुलिस व सरकार से अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। मौके पर नाना मुखिया अजित कुमार अपने टीम के सदस्य के साथ शामिल हुए।

छात्रों को विभिन्न प्रकार के कैंसर व अंगदान के महत्व के बारे में बताया



पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता

जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी अस्पताल तथा नव अस्तित्व फाउंडेशन के सहयोग से राजकीय महिला महाविद्यालय, गायघाट में ह्मशी हेल्थ टॉक पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम में डॉ श्वेता राया एसोसिएट डायरेक्टर, गायनी ऑकोलॉजी तथा डॉ कृष्ण मोहन साहू डायरेक्टर नेफ्रोलॉजी एवं नव अस्तित्व फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित थे। डॉ श्वेता राया ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के द्वारा कैंसर एवं इसके प्रकार, कैंसर स्क्रीनिंग, जेनेटिक कैंसर, सर्वाइकल कैंसर एवं स्तन कैंसर पर चर्चा की। साथ ही उसके विविध पहलुओं के बारे में छात्राओं को बताया। महिलाओं एवं युवतियों के लिए सर्वाइकल वैकसीन

की आवश्यकता के बारे में विस्तार से चर्चा की। डॉक्टर कृष्ण मोहन साहू ने भी अपनी प्रस्तुति में अंगदान के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि अंगदान महानदान है। अंगदान और उसके विविध पहलुओं के बारे में छात्राओं से इंटरएक्टिव सत्र में चर्चा हुई। मृत रोग संक्रमण के बारे में भी जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम अत्यंत ज्ञानवर्धक था। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ इला एवं कार्यक्रम संयोजिका डॉ श्रौमती सबीहा अहसन (गणित विभाग) ने अतिथियों का स्वागत पौधा तथा मधुबनी पेंटिंग फ्रेम देखकर किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ उषा यादव तथा धनवाद ज्ञानपुत्र डॉ कुमारी निधि ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की सभी सहायक प्रोफेसर, कर्मचारी गण अमित कुमार एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

बुलंद आवाज के बाद विस अध्यक्ष नंदकिशोर की दूसरी पुस्तक विकास के प्रतिमान

11 कोविधानसभा ऑडिटोरियम में किया जाएगा लोकार्पण

पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता

नेता प्रतिपक्ष के रूप में नंदकिशोर यादव की यादगार पुस्तक बुलंद आवाज लोगों के मानस पटल पर आज भी छाया हुआ है। इसके बाद बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव की दूसरी पुस्तक विकास के प्रतिमान का लोकार्पण 11 अगस्त को किया जाना है। दरअसल बिहार सरकार में पथ निर्माण, स्वास्थ्य और पर्यटन विभाग के मंत्री के रूप में नंदकिशोर यादव ने काम किया है। वह पटना पूर्वी और पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र का लगातार सात बार प्रतिनिधित्व विधायक के रूप में किए हैं। वह पार्टी के सामान्य कार्यकर्ता से लेकर क्षेत्र के किसी भी मतदाता के सुख-दुख में उसके साथ खड़े होने वाले नेता हैं। नंदकिशोर जी सरकार में चाहे जिस भी विभाग के मंत्री रहे, विकसित बिहार के सपने को साकार करने में वह जी जान से जुटे रहे। वैसे श्री यादव स्वास्थ्य व पर्यटन के अलावा लंबे समय तक पथ निर्माण विभाग के

मंत्री रहे हैं। इस दौरान उनका संकल्प बिहार में सड़कों व पुलों का जाल बिछा कर यहां की आधारभूत संरचना को मजबूत करना रहा। महात्मा गांधी सेतु के समानांतर और पटना के कच्ची दरगाह से बिदुपुर (वैशाली) तक बन रहा पुल, जो आज निमाणीधीन है, वह नंदकिशोर यादव की ही देन है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पीड़ित जनता के लिए सरकारी अस्पतालों को अधिक साधनसंपन्न और सक्रिय बनाए। मंत्री के तौर पर विकास के शिखर गढ़ते नंदकिशोर यादव की अनेक ऐसी उपलब्धियां हैं, जिन्हें वर्षों तक याद रखा जाएगा। बिहार विकास की गाथा यहां की चिकनी, चौड़ी, चमकदार सड़कों व अनेक मेगा ब्रिज तथा पुल-पुलियों की चर्चा के बिना यह कभी पूरी नहीं होगी। इन सबका श्रेय नंदकिशोर यादव के खाते में ही जाता है। दीधा-दीदारगंज के बीच जेपी पथ, भद्रघाट से कंनन घाट और अब पटना घाट तक गंगा किनारे रोड भी उनके कार्यकाल की देन है। यही कारण रहा कि मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार भी अपने भाषण में यह कहते नहीं थकते कि बिहार के किसी भी कोने से पटना आना अब महज चार से पांच घंटे में संभव है। विकास के प्रतिमान पुस्तक का लोकार्पण बिहार विधानसभा के ऑडिटोरियम में 11 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे किया जाएगा। इसका लोकार्पण बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी करेंगे। बतौर मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा, विशिष्ट अतिथि जल संसाधन एवं संसदीय कार्य विभाग के मंत्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह, प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सह राज्यस एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दिलीप जायसवाल, स्वास्थ्य एवं कृषि विभाग के मंत्री मंगल पांडेय, नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन होंगे। पुस्तक का प्रकाशन प्रभात प्रकाशन ने किया है। संपादक राकेश प्रवीर हैं। दर्शनभिलाषी प्रभात कुमार, पीयूष कुमार और उत्तरापेक्षी प्रभाकर कुमार मिश्रा हैं।

ई-रिवशा चालक मजोज की हत्या की गुत्थी सुलझी बेला स्थित रेल व्हील प्लांट द्वारा अब तक 02 लाख से अधिक रेल पहियों का किया गया उत्पादन

पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता

दीदारगंज थाना के मिजापुर गांव में मिले अज्ञात शव की पहचान हो गई है। उसकी चौक थाना क्षेत्र के नेहरू टोला के रहने वाले ई-रिक्षा चालक मजोज कुमार के रूप में हुई है। भाड़ा विवाद में दो अभियुक्तों ने चाकू मार कर हत्या किए जाने के बाद साक्ष्य को छुपाने को शव मिजापुर में फेंक दिया था। अगवा कर हत्या किए जाने के आरोप में दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं बयान के बाद मामले का खुलासा हुआ है। मंगलवार को यह जानाकारी सिटी एसपी पूर्वी भारत सोनी एवं डीएसपी डॉ गौरव कुमार ने दी। सिटी एसपी ने बताया कि दीदारगंज थाना को पुलिस ने तीन अगस्त को मिजापुर गांव के झाड़ियों के बीच एक युवक का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। एफएसएल की टीम भी मौके पर

पहुंच कर नमूना उठाया था। चार अगस्त को चौक थाना क्षेत्र के नेहरू टोला निवासी मां सीमा देवी ने बेटे के शव की पहचान कर बताया कि शव उनके बेटे 30 वर्षीय मजोज कुमार की है। वह 31 जुलाई की रात पटना साहिब स्टेशन से एनएमसीएच के लिए ई-रिक्षा लेकर गया था। बेटा मजोज की रक्षा का गाड़ी चलता था। दो अगस्त को मां के बयान पर चौक थाना में युमशुदगो का मामला दर्ज कराया गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी के निर्देश पर डीएसपी डॉ गौरव कुमार, चौक थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा के साथ टीम का गठन कर मामले की छानबीन शुरू की गई थी। पुलिस ने रूट में लगे 70 कैमरा को खंगाला और तथ्यों को जुटाया। इसके बाद टीम ने मूलतः बेगूसराय निवासी कन्हैया पोद्दार वर्तमान पता मालसलारी के भैंसानी टोला के श्याम सुंदर कुमार

के मकान में बतौर किराएदार और संतोष कुमार की गिरफ्तार किया। गिरफ्तार संतोष भी कन्हैया के साथ ही किराए के मकान में रहता था। दोनों अभियुक्तों ने पुलिस के समक्ष पूछताछ में बताया कि मारे गए मजोज को प्रतिदिन ई-रिक्षा चलाने के लिए तीन सौ रुपया भुगतान करना था। इसी रूपक को लेकर आपस में तनाव होने की वजह से साजिश के तहत हत्या कर शव को मिजापुर में फेंक दिया था। डीएसपी ने बताया कि पुलिस ने घटना में उपयुक्त बाइक, चाकू, गमछा, ई-रिक्षा एवं उक्त मोबाइल को बरामद किया। इस मोबाइल से मारे गए मजोज एवं अभियुक्तों के बीच लगातार बातचीत हो रही थी। पुलिस ने बताया कि बरामद गमछा अभियुक्त कन्हैया का है, जो घटनास्थल पर छूट गया था। छापेमारी टीम में डीआईए के निरीक्षक संतोष कुमार वर्मा, मजोज कुमार, प्रमोद कुमार आदि शामिल थे।

प्रातःकिरण संवाददाता

हाजीपुर। भारतीय रेल की पहियों की मांग को पूरा करने के लिए सारण जिले के दरियापुर में रेल व्हील प्लांट की स्थापना की गयी है। यह 01.08.2014 से भारतीय रेलवे की उत्पादन इकाई बन गया। अब यह संयंत्र अपनी सफलता के 10 वर्ष पूरा कर चुका है। इस संयंत्र की आधारशिला 29-07-2008 को रखी गई थी। भारतीय रेलवे के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि एक अत्यधिक चुनौतिपूर्ण कार्य को बिना किसी विदेशी सहायता के स्थापित किया गया। यह रेलवे इंजीनियरों के आंतरिक क्षमता व विश्व प्रसिद्ध भारतीय कंपनी के विशेषज्ञता से संभव हो पाया। इस संयंत्र की क्षमता प्रतिवर्ष एक लाख तक पहियों के निर्माण की है। इस संयंत्र के निर्माण पर लगभग 1640 करोड़



रुपये की लागत आयी है। रेल व्हील प्लांट, बेला के निर्माण की स्वीकृति वर्ष 2005-06 में प्रदान की गयी थी। पहियों का निर्माण फरवरी, 2013 से प्रारंभ हो गया। इसका प्रारंभिक उत्पाद बॉक्स-पन व्हील था। अब यह संयंत्र क्षेत्रीय रेलवे, वर्कशॉप और कॉनक्रेंट के पहियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बीजी कोचिंग (आईसीएफ), इंप्यू और बीएलसी पहियों का उत्पादन भी कर रहा है।

बीएलसी पहियों का उत्पादन 03 जुलाई 2023 से तथा इंप्यू व्हील का उत्पादन 14.11.2023 से प्रारंभ हुआ। पर्यावरण अनुकूल बनाते हुए प्लांट के 33 प्रतिशत हिस्से में ग्रीन बेल्ट विकसित किया जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से विभिन्न महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों की केंद्रीकृत निगरानी के लिए प्लांट में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। रेल व्हील प्लांट/बेला ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक प्रत्येक

क्षेत्र में मील का पत्थर हासिल किया है। वर्ष 2013-14 में इस प्लांट द्वारा 201 पहिया का निर्माण किया गया था। परंतु इसके बाद पहियों के निर्माण में काफी तेजी आयी। वर्ष 2014-15 में 1862, वर्ष 2015-16 में 12054 वर्ष 2016-17 में 12593, वर्ष 2017-18 में 23276, वर्ष 2018-19 में 20754, वर्ष 2019-20 में 26150, वर्ष 2020-21 में 25241 तथा 2021-22 में 24255 पहियों का उत्पादन किया गया। इसी तरह वर्ष 2022-23 में 24518 तथा पिछले वित्त वर्ष अर्थात 2023-24 में रिकॉर्ड 42167 रेल पहियों का उत्पादन किया गया। रेल पहिया उत्पादन के क्षेत्र में 2023-24 में प्राप्त उपलब्ध रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य से अधिक है। इस प्रकार स्थापन से अब तक इस संयंत्र द्वारा 2 लाख 16 हजार से अधिक रेल पहिया का निर्माण किया।

एनएम के कौशल विकास में ई-क्षमता प्लेटफॉर्म है कारगर

ई-क्षमता के जरिए एनएम को ऑनलाइन मिल रही शिक्षण और कौशल विकास सामग्री

प्रातःकिरण संवाददाता



पटना: आमजनों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य विभाग निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए स्वास्थ्य प्रदाताओं के नियमित कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य सरकार सूबे में सेवा परिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने की दिशा में भी सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। इस दिशा में इसी वर्ष मार्च महीने में ह्यमिशन उन्नयनहक की शुरुआत की गयी। साथ ही एनएम को ऑनलाइन शिक्षित करने के लिए ई-क्षमता (हर्ड-लर्निंग प्लेटफॉर्म) एप शुरू किया गया है। ई-क्षमता (ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म) एप के जरिए नर्सिंग एवं

मिडवाइफरी पेशेवरों के नियमित सीखने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली विना लागत की डिजिटल सामग्री तैयार की गयी है। इन संसाधनों का मुख्य उद्देश्य उनके ज्ञान एवं कौशल को बढ़ाना है। इसे बहुत ही सरल

एवं आसान रूप से बनाया गया है ताकि एनएम के जरिए से डिजिटल शिक्षण मार्ग के अतिरिक्त इन संसाधनों का उपयोग कर सकें। इस शिक्षण सामग्री की सहायता से वे अपने कार्यों में पहले से भी अधिक दक्ष

भी हो सकेगी। सभी सेवारत नियमित एवं सिद्धा पर कार्यरत एनएम द्वारा अनिवार्य रूप से ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने के लिए राज्य के सभी सिविल सर्जन को निर्देशित भी किया गया है। ई-क्षमता हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराया गया है। ई-क्षमता एप को मोबाइल पर भी डाउनलोड किया जा सकता है। इस एप के जरिए एनएम को उनकी भूमिका एवं जिम्मेदारी, उनके द्वारा किए गए प्रोग्रेस एवं उनकी आवश्यक योग्यता के अनुरूप कार्य भी उपलब्ध होता है। इसके जरिए एनएम को यह भी ज्ञात हो सकेगा कि उन्होंने अपनी तय भूमिका के विरुद्ध कितना कार्य पूर्ण किया है।

स्तनपोन को लेकर माताओं को संवेदनशील होना होगा: डॉ उषा

एनएमसीएच गायनी में स्तनपोन को ले आरोगित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता



नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के गायनी विभाग की ओर से एमसीएच भवन में स्तनपोन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन प्राचार्या डॉप्रो उषा कुमारी ने करते हुए कहा कि जन्म के तुरंत बाद नवजात को स्तनपोन कराना चाहिए। नवजात को छह माह तक मां का दूध ही पिलाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्त्री व प्रसूति विभाग की विभागाध्यक्ष

डॉ प्रो दीपति राय व संचालन डॉ विष्णु सिन्हा ने की। पीएसएम विभाग की विभागाध्यक्ष डॉप्रो अमिता सिन्हा ने कहा कि जन्म के तुरंत बाद नवजात को स्तनपोन कराने के महत्व के बारे में बताया। आयोजन में डॉ तबस्सुम अहमद, डॉ आरती, डॉ विष्णु सिन्हा,

डा संगीता, डॉ प्रतिमा, डॉ विनीता कुमारी ने भी अपने विचार रखे। आयोजन में डॉ पूजा वर्मा, डॉ पूनम, डा कीर्ति, डॉ तुषि, डॉ शिवानी, डॉ सपना, डॉ अंशु, डॉ नेहा, डॉ खुशबू आदि चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ व मरीज व उनके परिजन उपस्थित रहे।

बारिश हो रिमझिम रिमझिम तो बड़े भूजल का स्तर

श्रावण का महीना और रिमझिम रिमझिम बरसात आज बीते जमाने की बात हो गई है। सही मायने में देखा जाए तो पिछले दो-तीन दशक की पीढ़ी तो रिमझिम बरसात या यों कहे कि सावण की झड़ी को तो देखना दूर की बात जानती भी नहीं होगी। एक समय था जब श्रावण में बरसात की झड़ी लग जाती थी और कई कई बार तो तीन-तीन, चार-चार दिन तक भगवान भास्कर के दर्शन मात्र को तरश जाते थे। इससे होता क्या था झरी लाती थी तो पानी सीधे जमीन में जाता था, जमीन की प्यास बुझती थी और जब प्यास बुझने लगती तो भूजल का स्तर बढ़ने लगता था। आज हालात दूसरे हैं। तेज बरसात आती है और बरसात का पानी भूमि की प्यास बुझाने के स्थान पर बह कर चला जाता है। कहने को तो वर्षा का ओसत तो पूरा दिखाई दे जाता है, सामान्य वर्षा के आंकड़ों भी पूरे हो जाते हैं पर बरसात का अधिकांश पानी बह कर निकल जाता है या फिर बाढ़ या शहरों की खराब ड्रेनेज व्यवस्था के कारण एकत्रित हो जाता है और फिर मक्खी-मच्छरों का स्थल बनकर बीमारी का प्रमुख कारण बन जाता है। क्योंकि अब तो रिमझिम बरसात का स्थान तेज वर्षा लेती जा रही है, एक दिन में ही रेकार्ड बरसात के समाचार आते हैं और इस कारण पानी भूजल स्तर को बढ़ाने की जगह बह जाता है।

दरअसल यह सब जलवायु परिवर्तन का कारण है तो दूसरी और अंधाधुंध पेड़ों की कटाई, वनों और गांवों को शहरों में तब्दील कर कंक्रिट का जंगल विकसित करने और इससे भी दो कदम आगे प्राकृतिक जल स्रोतों को नष्ट करना या उन्हें लगभग समाप्त कर कालोनियाय विकसित कर देना रहा है। दरअसल हमारे वास्तुकारों ने शहरों को डिजाइन करते समय यह सोचा ही नहीं की पानी संग्रहण के लिए भी कोई जगह विकसित हो। यह तो उनके दिमाग में ही नहीं रही। बाकी कनसर शहरों में कच्ची जगह तो छोड़ने के प्रयास ही नहीं हुए यहां तक कि फुटपाथ तक पक्के कर दिए गए और सड़क किनारे लगे पेड़ों को भी चारों तरफ से पक्का कर दिया गया ताकि पानी भूमि में कहीं से जा ही नहीं सके। अन्य कारणों के साथ यह भी एक बड़ा कारण है कि मौसम चक्र पूरी तरह से गड़बड़ाता जा रहा है। सर्दों में सर्दी नहीं, गर्मी में गर्मी नहीं और बरसात में बरसात के हालात नहीं दिखाई देने लगे हैं। हालांकि आज मानसून के ग्रिडक्याप यानी की संभाव्यता तो लगभग सही सही बताई जाने लगी है पर प्रकृति ने जो अपना खेल दिखाया है वह अपने आप में गंभीर और चिंतनीय है। ऐसा नहीं है कि हालात जाते या समझते नहीं हो, और हालात पर चर्चा करने के लिए दुनिया के देशों के दिग्गज बैठते भी हैं और चर्चा भी करते हैं, कागजों में बड़ी बड़ी रिपोर्टें और रोडमैप भी बनते हैं पर परिणाम सामने हैं।

एक पहलु यह भी है कि भूजल का अर्थव्यक्त दोहन किया गया और यह आज भी बंदस्तर जारी है। कम पानी वाले फसल चक्र के बारें में समय पर सोचा ही नहीं गया। जमीन से पानी खिंचने के लिए पहले कुएं होते थे, उससे उतना ही पानी निकलता था जितना रिचार्ज हो जाता था, पर कुओं का स्थान बोरिंग और बोर वेल ने ले लिया और धरती में समाये पानी को निचोड़ने में कोई कमी नहीं छोड़ी। ऐसा नहीं है कि समस्या की गंभीरता से अविज्ञ रह रहे हो पर जो उपाय किये गये वह नाकाम्फी होने के साथ ही कारगर सिद्ध नहीं हुए। पिछले तीन-चार दशक से शहरों में वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम सरकार स्तर पर बनाने के साथ ही कोलोनाइजर्स को बनाने को पूरा जवाब रहा और आज भी कहा जा रहा है पर उसकी पोल इतनी से कड़ी हो जाती है कि कहने को तो वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम बना दिये, पैसे भी पूरे लग गए पर उनका स्ट्रक्चर अनि-अनजाने ऐसे बन गए

हम तो डूबे हैं सनम तुमको भी ले डूबेंगे तनवीर जाफरी

मानसून की आमद हो चुकी है। इस मौसम में देश के किसी न किसी भाग से बाढ़, जलप्रलय, भूस्खलन, बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं की खबरें आती रहती हैं। इस बार भी जहाँ हिमाचल प्रदेश व उत्तरांचल से बादल फटने व भूस्खलन की कई खबरें भयावह तस्वीरों के साथ आ चुकीं वहाँ केरल के वायनाड ज़िले के मुंडक्कड़ी, चूरलमाला और मलपुरम ज़िले के नीलांबूर वन क्षेत्र में हुए सबसे खतरनाक व डरावने भूस्खलन ने तो पूरे देश को शोकमग्न कर दिया। खबरों के अनुसार इस भूस्खलन में अब तक 400 से अधिक लोगों की मौत व सैकड़ों लोगों के लापता होने का समाचार हैं। सैकड़ों मकान जमींदोज हो चुके हैं। हिमाचल व उत्तरांचल से आने वाली वह तस्वीरें जिनमें अनेक मकान व गाड़ियां जलसमाधि लेते दिखाई देते हैं वास्तव में प्रकृति की अथाह शक्ति का दर्शन कराती हैं। बेशक ऐसी त्रासदियों को प्राकृतिक आपदा का नाम दिया जा सकता है। क्योंकि प्रकृति का यह प्रहार कब कहाँ, किस रूप में और किस तीव्रता के साथ हो आधुनिक विज्ञान प्रौद्योगिकी के बावजूद किसी को इस बात का सही अंदाजा नहीं हो पाता।

परन्तु रिहायशी इलाकों में पानी भर जाना, भूमिगत मांगों का तालाब में बदल जाना, नाली नालों का जाम होना आदि को तो प्राकृतिक आपदा का नाम हरगिज नहीं दिया जा सकता? नया संसद भवन यानी सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट जौकि 13, 450 करोड़ की लागत से लगभग 4 वर्षों में बनकर तैयार हुआ था और गत वर्ष 19 सितंबर 2023 से इस नई संसद भवन में पहली कार्यवाही शुरू की गई थी। इसी संसद भवन की एक गुंबद से बारिश में पानी टपकने लगा और जलभराव हो गया। संसद भवन में पानी टपकने की जगह पर बाल्टी रखी गयी थी जिससे पानी बाल्टी में गिर रहा था। कई संसद भी बारिश में भीगते हुये बाहर निकल रहे थे। यानी नए संसद भवन में कोई पॉिटिको भी नहीं है और संभवतः वहां जल निकासी की भी कोई व्यवस्था नहीं है। अब संसद भवन के टपकने में प्रकृति का क्या दोष? इस घटना के बाद आरोप लग रहा है कि यहाँ न तो छत वाटर प्रूफ है न ही पानी निकासी के समुचित प्रबंध हैं न सीवर ड्रेनेज सिस्टम सही है। जबकि अंग्रेजों द्वारा निर्मित पुराना संसद भवन जौकि 97 साल पहले 1927 में बनाया गया था आखिर उसके टपकने या लीक होने की तो आज तक कोई खबर नहीं आयी? परन्तु मात्र एक वर्ष पहले तैयार हुआ संसद भवन टपकने भी लगा? इस घटना में प्रकृति दोषी है या भ्रष्ट प्रबंधन या अकुशल, अदूरदर्शी निर्माणकर्ता व इंजीनियर्स?

इसी तरह मानसून से पहले ही जून माह के अंत में जब पहली बारिश हुई उस समय अयोध्या में राम मंदिर मंदिर की छत टपकने लगी। राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र मिश्र ने उसी समय मामले की गंभीरता का जिक्र करते हुये कहा थाकि, द्वागर्भगृह में, जहां रामलला विराजमान हैं, वहां भी पानी भर चुका है। ऐसे में कहीं बिजली का कटन न उतर आए इसलिए सुबह 4 बजे और 6 बजे होने वाली आरती टॉर्च की रोशनी में करनी पड़ेगी। उसी समय पुजारी ने ये भी कहा था कि अगर एक-दो दिन में इंतजाम नहीं हुआ, तो दर्शन और पूजन की व्यवस्था बंद करनी पड़ेगी। यह भी अहम तक राम मंदिर का जो केवल एक फ्लोर तैयार हुआ है इसी पर लगभग 1800 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। परन्तु मंदिर टूट के कई जिम्मेदार लोगों द्वारा पुजारी सत्येंद्र मिश्र के आरोपों को झुठलाने की कोशिश की गयी। जरा सोचिये यह घटना प्राकृतिक आपदा का परिणाम है या भ्रष्टाचारी व अकुशल निर्माण व्यवस्था का? पिछले दिनों अयोध्या में ही दस से अधिक जगहों पर सड़कों के धंसने के भी सचित्र समाचार आये थे। ऐसी ही शुरूआती बारिश में पिछले महीने इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर पार्किंग की छत गिर गई थी। इस हादसे में कार में बैठे एक केब ड्राइवर की मौत हो गई थी और 10 अन्य घायल हो गये थे। उसी दौरान देश के अनेक हवाई अड्डों की छतों के टपकने व पानी से एयरपोर्ट के लबालब भर जाने के समाचार आये थे। पिछले दिनों भी मध्यप्रदेश के सतना में 30 करोड़ की लागत से बने एयरपोर्ट में बारिश का पानी भर गया। एयरपोर्ट को एयर स्ट्रिप में भी पानी भर गया। जिससे एयरपोर्ट क्षेत्र में विकास कार्यों की गुणवत्ता व इसकी डिजाइन पर खयाल उठने लगे है कि आखिर मात्र उड़ गईं चर्च बारिश ने सतना में 30 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस नवनिर्मित एयरपोर्ट को जल-भराव के कारण अपनी चपेट में कैसे ले लिया? इसी तरह जयपुर में भी पिछले दिनों हुई बारिश ने तो पूरी प्लानबी नगरी को ही डुबो कर रख दिया। स्मार्ट सिटी कहे जाने वाले जयपुर में एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, कार्यालय, स्कूल, बाजार, मुहल्ले कालोनी पुलिस थाने आदि सभी जलमग्न हो गये। जगह-जगह सड़कें धंस गईं, जिनमें स्कूल बस, रिक्शा, कारें और बलुडोजर तक समा गए। इसी तरह बंगाल के बर्धमान जिले के दुगारपुर में हुई लगातार बारिश के कारण हवाई अड्डे के परिसर में और उसके आसपास जलभराव हो गया है। जिससे काजी नररूल इस्लाम हवाई अड्डे से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हुई हैं। एक अधिकारी ने कहा कि नई दिल्ली और बेंगलुरु सहित हवाई अड्डे से आने-जाने वाली लगभग तीन उड़ानों को रद्द करना पड़ा है।

बांग्लादेश में चीन और आईएसआई ने मिलकर जो सजिश रची थी, वह सफल हो गयी है

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट हो गया और कई मामलों में दोषी ठहराये जाने के बाद से अपने घर में नजरबंद खालिदा जिया की रिहाई का आदेश भी आ गया। यदि आप बांग्लादेश में हाल में घटी सारी घटनाओं की कड़ियों को जोड़ेगे तो पाएंगे कि यह सब कुछ तय पटकथा के हिसाब से हुआ है। इसलिए शेख हसीना सरकार का जाना और खालिदा जिया का कैद से बाहर आना भारत के लिए पितानजक खबर है। पहले ही डुरंड लाइन के नाम से मशहूर भारत और अफगानिस्तान सीमा तथा पाकिस्तान व चीन से लगती सीमाओं पर हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं और अब बांग्लादेश से लगती सीमाओं पर भी सुरक्षा हालात चुनौतीपूर्ण हो गये हैं। बांग्लादेश में जो घटनाक्रम घटे है यदि उसे आप भारत के परिपेक्ष्य में देखेंगे तो पाएंगे कि हमें घेरने के लिए चीन और पाकिस्तान जो प्रयास लंबे अर्से से कर रहे थे उसमें वह कुछ हद तक कामयाब हो गये हैं। दरअसल विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करता और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ता हिंदुस्तान हमारे दुश्मनों को नहीं भा रहा है। इसलिए भारत में अशांति फैलाने के लिए तमाम प्रयास किये जाते हैं। दुश्मनों को लगता है कि भारत ने आतंक और उग्रवाद पर काबू पाने में जो सफलता पाई है कैसे उसे विफल करा जाये। इसके लिए एआईएसआई के साथ काम रखा और खालिदा जिया का कैद से बाहर आना भारत के लिए पितानजक खबर है। पहले ही डुरंड लाइन के नाम से मशहूर भारत और अफगानिस्तान सीमा तथा पाकिस्तान व चीन से लगती सीमाओं पर हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं और अब बांग्लादेश से लगती सीमाओं पर भी सुरक्षा हालात चुनौतीपूर्ण हो गये हैं। बांग्लादेश में जो घटनाक्रम घटा है



नीरज कुमार दुबे वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार

दरअसल विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करता और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ता हिंदुस्तान हमारे दुश्मनों को नहीं भा रहा है। इसलिए भारत में अशांति फैलाने के लिए तमाम प्रयास किये जाते हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्तापलट हो गया और कई मामलों में दोषी ठहराये जाने के बाद से अपने घर में नजरबंद खालिदा जिया की रिहाई का आदेश भी आ गया। यदि आप बांग्लादेश में हाल में घटी सारी घटनाओं की कड़ियों को जोड़ेंगे तो पाएंगे कि यह सब कुछ तय पटकथा के हिसाब से हुआ है। इसलिए शेख हसीना सरकार का जाना और खालिदा जिया का कैद से बाहर आना भारत के लिए पितानजक खबर है। पहले ही डुरंड लाइन के नाम से मशहूर भारत और अफगानिस्तान सीमा तथा पाकिस्तान व चीन से लगती सीमाओं पर हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं और अब बांग्लादेश से लगती सीमाओं पर भी सुरक्षा हालात चुनौतीपूर्ण हो गये हैं। बांग्लादेश में जो घटनाक्रम घटा है

यदि उसे आप भारत के परिपेक्ष्य में देखेंगे तो पाएंगे कि हमें घेरने के लिए चीन और पाकिस्तान जो प्रयास लंबे अर्से से कर रहे थे उसमें वह कुछ हद तक कामयाब हो गये हैं। दरअसल विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करता और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ता हिंदुस्तान हमारे दुश्मनों को नहीं भा रहा है। इसलिए भारत में अशांति फैलाने के लिए तमाम प्रयास किये जाते हैं। दुश्मनों को लगता है कि भारत ने आतंक और उग्रवाद पर काबू पाने में जो सफलता पाई है कैसे उसे विफल करा जाये। इसके लिए वह तमाम तरह के हथकंडे अपनाते रहते हैं और सीधी लड़ाई से बचते हुए दायें या बायें से वार करना चाहते हैं। दुश्मन को जम्मू-कश्मीर की शांति और पूर्वोत्तर क्षेत्र को प्रकृति नहीं भा रही है। दुश्मनों ने जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में आतंक और उग्रवाद को हवा देने के लिए तथा भारत को इस दस से जूझने के लिए जो कड़ी मेहनत की थी उस पर पिछले दस सालों में पानी फेर दिया गया है। जम्मू-

क्या दुनिया को है सन्देश, जलता हुआ बांग्लादेश?

हिंसा के बीच हालात बेहद खराब हो गए हैं। हजारों लोग सड़कों पर उतरकर सरकारी संपत्ति को आग के हवाले कर दिया है। बांग्लादेश संसद में वाद विवाद संवाद व्यवस्थित नहीं रहा, बांग्लादेश संसद ने जनता का यकॉन खो दिया, बांग्लादेश में जो हालात बेकाबू हुए इससे साबित होता देश में जनता से बड़ा कोई नहीं, कुछ गलत निर्णय देश को सालों साल पीछे धकेल देते। गलत निर्णय कितने भारी पड़ गए बांग्लादेश को... किसी देश में तख्तापलट की संभावना आमतौर पर तब बनती है जब देश के तमाम लोग सरकार की नीतियों के खिलाफ होते हैं या फिर सरकार तानाशाह बन जाती है यानी सरकारों को जनता के हितों से कोई मतलब नहीं रह जाता, वो अपने मन का ही करती हैं, चाहे उससे जनता का भला हो या नुकसान हो। इसके अलावा तख्तापलट की एक संभावना तब बनती है जब सेना को सरकार से खतरा महसूस होता है। ऐसी स्थिति में सेना ही सरकार के खिलाफ आ जाती है और तख्तापलट करके खुद सत्ता पर काबिज हो जाती है। आरक्षण के मुद्दे पर बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया, वहाँ की प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। अपने देश में भी इन दिनों जाति को लेकर घमासान मचा हुआ है। भारत में भी जाति और जातिगत जनगणना के मुद्दे पर संसद में ह्यराजनीतिह्न चरम पर है और सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण सम्बन्धी हालिया फैसले ने इस मुद्दे को और गरमा दिया है। बांग्लादेश हिंसा की आग में सुलग रहा है। हिंसा के बीच हालात बेहद खराब हो गए हैं। हजारों लोग सड़कों पर उतरकर सरकारी संपत्ति को आग के हवाले कर दिया है।



प्रियंका सौरभ लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

आरक्षण के मुद्दे पर बांग्लादेश में तख्तापलट हो गया, वहाँ की प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। अपने देश में भी इन दिनों जाति को लेकर घमासान मचा हुआ है। बांग्लादेश हिंसा की आग में सुलग रहा है। हिंसा के बीच हालात बेहद खराब हो गए हैं। हजारों लोग सड़कों पर उतरकर सरकारी संपत्ति को आग के हवाले कर दिया है। बांग्लादेश संसद में वाद विवाद संवाद व्यवस्थित नहीं रहा, बांग्लादेश संसद ने जनता का यकॉन खो दिया, बांग्लादेश में जो हालात बेकाबू हुए इससे साबित होता देश में जनता से बड़ा कोई नहीं, कुछ गलत निर्णय देश को सालों साल पीछे धकेल देते। गलत निर्णय कितने भारी पड़ गए बांग्लादेश को....

किसी देश में तख्तापलट की संभावना आमतौर पर तब बनती है जब देश के तमाम लोग सरकार की नीतियों के खिलाफ होते हैं या फिर सरकार तानाशाह बन जाती हैं यानी सरकारों को जनता के हितों से कोई मतलब नहीं रह जाता, वो अपने मन का ही करती हैं, चाहे उससे जनता

विश्व युद्ध का अंदेशा और बांग्लादेश में सेना का तख्ता पलट

डॉ हिदायत अहमद खान

पिछले कुछ समय से दुनिया के शक्तिशाली देशों के हालात सही नहीं चल रहे हैं। विकसित ही क्यों विकासशील छोटे-छोटे देशों का हाल भी बुरा है। इसे आर्थिकदृष्टि से जोड़कर देखा जा रहा है। जनसंख्या बढ़ रही है, रोजगार कम हो रहे हैं और मंदी के चलते महंगाई चरम पर है। इस पर विकट समस्या यह है कि अधिकांश देश अपने पड़ोसी देश को दुश्मन देश मानकर हमले करने पर उतार दिख रहे हैं। पड़ोसी देश एक-दूसरे से या तो लड़ रहे हैं या फिर लड़ने को आतुर

नजर आ रहे हैं। बात कुछ भी न हो, तुब भी तनाती का माहौल बराबर बना हुआ है। यहाँ देखा जा सकता है कि एक तरफ रूस और यूक्रेन भिड़े हुए हैं। दूसरी तरफ हमस के हमले के बाद इजराइल अमेरिका की मेहरबानी से गोजा में फिलस्तीन से लेकर तमाम पड़ोसी मुल्कों से भिड़ने का दंभ भरे हुए है। हमस चीफ हानिया को ईरान में साजिशन हत्या कराए जाने के बाद मामला और बिगड़ चुका है। दुश्मनों से घिरे इजराइल को ढांडस बंधाने का काम अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाईडन कर रहे हैं, लेकिन उनकी अपनी भी तो परेशानियाँ हैं, क्योंकि जिस

तरह से अमेरिका ने यूक्रेन को उकसाने का काम किया वैसे ही रूस भी अमेरिका पर सेना को मजबूत करना तो बताया जा रहा है, लेकिन हकीकत में देखा जाए तो अमेरिका को आंख दिखाये जैसा यह काम किया गया है। इनकी तैनाती बताती है कि दक्षिण कोरिया के साथ ही अमेरिका की यह भी अब मुश्किल होने वाली है। यदि इजराइल की नेतन्याहू सरकार के बचाव में अमेरिका कदम आगे बढ़ाता है तो एक महायुद्ध का बिगुल भी बज जाएगा। इससे महज जांच और आसपास के देश ही नहीं बल्कि अन्य देशों पर भी संकट के बादल छा जाएंगे।

अनेक देश तब युद्धभूमि का हिस्सा होने के तौर पर चिह्नित किए जाएंगे। ऐसे में अमेरिका को उसके अपने घर में चुनौती देने वाली ताकतें भी फिर चुप न बैठेंगी। बहरहाल यहाँ हम बात बांग्लादेश के सैन्य तख्ता पलट कर करने जा रहे हैं, जहाँ छत्र आंदोलन ने हिंसक रूप लेकर सब कुछ तहस-नहस करने जैसा कर दिखाया है। ऐसे माहौल में जब हम अपनी नजरें भारत और उसके तमाम पड़ोसी मुल्कों के हालात पर डालते हैं तो पाते हैं कि यहाँ पर भी कोई बेहतर स्थिति नहीं है। सभी अपनी घरेलू समस्याओं में उलझे हुए हैं। आर्थिक और राजनीतिक

हालात की बेहतर नहीं कहे जा सकते हैं। पाकिस्तान में तो मौजूदा सरकार की स्थिरता को लेकर ही शंकाएँ विद्यमान हैं। दरअसल पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी को लेकर पाकिस्तान की राजनीति आज तक गर्माई हुई है। ऐसे में बलूच मामले ने भी तूल पकड़ा हुआ है। बलूच समर्थक लोग तो पुलिस व सेना से दो-दो हाथ करने को आतुर दिखते हैं। यह मामला अभी चल ही रहा था कि बांग्लादेश से सेना का तख्ता पलट की अचानक अचोभित करने वाली खबर भी आ गई है। बांग्लादेश में आरक्षण की आग जलल में लगी आग साबित हुई है।



का इस्तेमाल बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जनभावनाएं भड़काने और छात्रों का आंदोलन खड़ा करने में किया गया था। बताया जा रहा है कि चीन और आईएसआई की मिलीभगत से यह तय किया गया था कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को गिराने के लिए कब क्या किया जाना है। इस्लामी छत्र शिबिर आईएसआई के बेहद नजदीकी माने जाने वाले देवबंदी आतंकी समूह हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लामी (हूजी) के साथ काम रहा था।

बताया यह भी जा रहा है कि भारतीय खुफिया एजेंसियां लंबे समय से इस्लामी छत्र शिबिर की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थीं क्योंकि उन्हें खबर लगी थी कि भारत विरोधी एजेंडा आगे बढ़ाने की रणनीति बनाई जा रही है। बताया यह भी जा रहा है कि इस्लामी छत्र शिबिर के कुछ सदस्यों को पाकिस्तान और अफगानिस्तान में प्रशिक्षण भी दिलाया गया था। इस संबंध में कुछ वीडियो भी हाल के दिनों में खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के हाथ लगे थे। बताया जा रहा है कि इन सबका एकमात्र

बताया जा रहा है कि हाल के दिनों में बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े छत्र संगठन इस्लामी छत्र शिबिर (आईसीएस) को पाकिस्तान में काम कर रही कुछ चीनी कंपनियों की ओर से फंडिंग भी दी गयी थी। इन पैसों

उद्देश्य यही है कि बांग्लादेश में भी अफगानिस्तान के तालिबान जैसी सरकार बनाई जा सके। इस संबंध में आईएसआई ने पूरी मदद और समर्थन का भरोसा भी इस्लामी छत्र शिबिर को दिलाया था। यह सारे समूह चाहते थे कि दिन पर दिन जिस तरह भारत और बांग्लादेश के संबंध प्रगाढ़ होते जा रहे हैं उसको नुकसान पहुँचाया जा सके। चीन भी देख रहा था कि जिस तरह बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना विभिन्न मुद्दों पर चीन को वरीयता देने की बजाय भारत के साथ खड़ी हो जाती हैं उस स्थिति से तभी छूटकारा मिल सकता है जब बांग्लादेश में पाकिस्तान समर्थित सरकार बन जाये।

जहाँ तक बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी की बात है तो उसने कभी भी भारत विरोधी रवैया अखिराय करके का मौका नहीं गंवाया। बताया जा रहा है कि बीएनपी के कार्यकताओं ने इस्लामी छत्र शिबिर के साथ मिलकर सरकारी विरोधी आंदोलन को हवा दी और आखिरकार अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहे। इसके अलावा,



इस आरक्षण प्रणाली को खत्म करने के फैसले को गैर कानूनी बताते हुए इसे दोबारा लागू कर दिया था। उच्च न्यायालय के फैसले के बाद बांग्लादेश में व्यापक पैमाने में विरोध प्रदर्श शुरू हो गए। शेख हसीना सरकार ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की, जिसने हाईकोर्ट के आदेश को निलंबित कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केवल पांच फीसदी नौकरियां स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए आरक्षित होगी। दो फीसदी नौकरियां अल्पसंख्यकों और दिव्यांगों के लिए आरक्षित होगी। अब इस मामले में अगली सुनवाई सत आगस्त को होनी थी लेकिन, इससे पहले विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। देश की सुप्रीम कोर्ट ने भी नौकरियों में एक तिहाई आरक्षण के विरोध में फैसला दिया और आरक्षण की सीमा को घटाकर 5 प्रतिशत करने का फैसला सुनाया। मगर छत्र इससे संतुष्ट नहीं हुए और वह इस आरक्षण को पूरी तरह समाप्त करने की मांग कर रहे। सरकार के सख्त रवैये से उनकी नाराजगी और बढ़ती गई।

इस उद्योग में लगभग 40 लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। मगर इन नौकरियों में कॉलेजों के पढ़े-लिखे छात्रों के लिए बेरोजगारी की दर और भी ज्यादा है। बांग्लादेश टेक्सटाइल क्षेत्र में एक बड़ा नाम है और वहाँ बने रीडिमेड छात्रों के लिए बेरोजगारी की दर और भी ज्यादा है। बांग्लादेश में अस्तौंग बढ़ता जा रहा था और यही वजह है कि छात्रों का आरक्षण विरोधी आंदोलन सरकार विरोधी आंदोलन में बदल गया और शेख हसीना की सत्ता गिर गई।

संक्षिप्त खबरें

आईसीआईसीआई बैंक ने गया में नई शाखा का किया उद्घाटन

गया। आईसीआईसीआई बैंक ने गया में मगध मेडिकल कॉलेज के पास एक नई शाखा खोली है। बैंक की नौवीं शाखा में एटीएम भी है। शाखा का उद्घाटन प्रमोद लक्ष्मी भंडार के प्रबंध निदेशक प्रमोद कुमार भादानी ने किया। यह शाखा बचत और चालू खातों, सावधि और आवर्ती जमाओं और व्यवसाय ऋण, गृह ऋण, व्यक्तिगत ऋण, ऑटो ऋण और शिक्षा ऋण जैसे ऋणों के साथ-साथ रेमिटेन्स और कार्ड सेवाओं सहित खातों और जमाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है। यह शाखा टैक्स बैकेंग सुविधा भी प्रदान करती है, जिसके तहत बैंक के एक कर्मचारी द्वारा टैबलेट डेवाइस के माध्यम से ग्राहक के स्थान पर लगभग 100 सेवानुपलब्ध कराई जाती हैं। इन सेवाओं में खाते खोलना और एबी, केबबुक अनुभव, ई-स्टेटमेंट तैयार करना और पता बदलना आदि शामिल हैं। बता दें आईसीआईसीआई बैंक के पास बिहार में 130 से अधिक शाखाओं और 330 से अधिक एटीएम और केश रिसाइकिलिंग मशीनों (सीआरएम) का नेटवर्क है।

भूमि विवाद को सीओ व

थानाध्यक्ष ने सुलझाया

शेरघाटी। जमीन विवाद के मामले को एसडीओ शरार अशरफ के निर्देश पर मंगलवार को सीओ उषा कुमारी एवं थानाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर मामले का निष्पादन करवाया थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि विवाद का गांव में सत्येंद्र ठाकुर एवं रामखेलावन पासवान के बीच सालों से जमीन का विवाद चल रहा था उन्होंने बताया कि सत्येंद्र ठाकुर ने एसडीओ के यहां शिकायत किया था कि सरकार की ओर से घर बनाने के लिए उसे पर्व मिला है लेकिन गांव के कुछ लोगों से घर नहीं बनने दे रहे हैं जिसे स्थानीय प्रशासन के मदद से निष्पादन किया गया।

पितृपक्ष मेला को अंतराष्ट्रीय

दर्जा दिया जाए- सांसद

गया विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला को पूर्व सरकार के द्वारा राजकीय मेला घोषित किया जा चुका है लेकिन हम के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री सह गया सांसद सह केन्द्रीय मंत्री ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मिलकर पितृपक्ष मेला को अंतराष्ट्रीय दर्जा दिया जाए, यहां देश के साथ अपने पूर्वजों के लिए विदेश के हर कोने कोने से गया जी आते हैं जिसका धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व बहुत ही इसके लिए विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला दर्जा दिया जाए।

कार्यकर्ता ने केक काट मनाया

मंत्री का जन्मदिन

गया। गया शहर के लोकप्रिय विधायक और बिहार सरकार सहकारिता सह पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ प्रेम कुमार का जन्म दिन एक निजी होटल में मनाया गया है। भाजपा नगर कार्यकर्ता के द्वारा मनाया गया है। इस मौके पर गया जिला के महामंत्री पप्पू चंद्रश्री, अधिवक्ता राज कुमार गुप्ता, प्रदेश नेता भाजपा मुकेश कुमार, गया नगर निगम वार्ड पार्षद लाल बाबु यादव, विकास कुमार, पूर्व पार्षद संतोष सिंह, सुनिल सिन्हा ने एवं महिला एवं भाजपा कार्यकर्ता ने मिलकर केक काटकर मनाया गया है। उनके फोटो पर केक खिलाकर मनाया गया है। इस मौके पर जिला महामंत्री पप्पू चंद्रश्री, हरेराम सिंह, जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार दत्तानी, सुनिल कुमार सिन्हा, राम कुमार सिंह, कौशलेन्द्र नारायण, नागेन्द्र प्रसाद चंद्रवंशी, प्रमोदी सिंह, शंभु यादव, पूर्व पार्षद राकेश कुमार, काफी संख्या में महिला एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण

जस्सी-सुशील कुमार सुनील

अरवल। बिहार सरकार के हरियाली योजना को जमीन पर उतारने के लिए दौरा पंचायत के तेरा गांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश महासचिव कार्यालय प्रभारी सुशील कुमार सुनील एवं जिला परिषद अध्यक्ष के प्रतिनिधि सुधीर शर्मा के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। पंचायत भवन, सरकारी विद्यालय सहित सभी स्थानों में पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने हेतु फलदार वृक्ष अमरुद आम एवम पीपल का पेड़ लगाए गए। इस मौके पर सुशील कुमार सुनील कुमार ने बताया कि सूखे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिन-रात बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए विचिंतन करते हैं। आम लोगों की स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए उन्होंने वन एवं पर्यावरण विभाग की निदेश दिया है कि पूरे बिहार में लाखों पेड़ लगाए जाएं। विगत दिनों में भीषण गर्मी के प्रभाव के कारण लोग एसी और कुलर खरीदने के लिए दुकानों में लाइन लगा रहे थे। अंगर इतना महजत वह पेड़ लगाने में करें तो उन्हें एसी और कुलर की जरूरत नहीं रहेगी। वर्तमान में मानव जीवन पर पर्यावरण प्रदूषण सबसे बड़ा संकट बनकर आया है। ऐसे में आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को अनुकूल बनाने में हर व्यक्ति को अपने आसपास एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए।

डीएम ने पितृपक्ष मेला मे बिजली तार को बदलने का दिया निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता



को पूरी व्यवस्था रहे, इसे सुनिश्चित करवाये। सभी जगह पर लोड कैपेसिटी का आकलन करवा ले साथ ही निजी धर्मशाला का भी लोड कैपेसिटी जांच करवाये। उन्हींने निर्देश दिया कि मेला क्षेत्र के प्रमुख सड़कों पर जहां तीर्थयात्री का लगातार आवागमन स्थल है उन रास्तों में बिजली

तार का पूरी अच्छी तरीके से जांच करवाये। निर्वाह बिजली सप्लाई रहे तथा पूरी वोल्टेज के साथ विद्युत आपूर्ति रहे यह सुनिश्चित करवाये। पितृपक्ष मेला अवधि में नियमित नियंत्रण कक्ष संचालन रखें। कोई भी घटना होने पर तुरंत रैस्पॉन्ड करें। नियंत्रण कक्ष में कनिष्ठ अधिकृत

दानिका परिवार औरंगाबाद ने देवघर के श्रावणी मेला में कजरी की प्रस्तुति दी

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद को महत्वपूर्ण सांस्कृतिक संस्था दानिका परिवार द्वारा देवघर में श्रावणी पूजा के निमित्त कला संस्कृति एवं युवा विभाग एवं जिला प्रशासन भागलपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों ने शिरकत किया।

दानिका परिवार के डायरेक्टर डॉ रविंद्र कुमार उर्फ दानिका महाराज के नेतृत्व में सभी कलाकारों ने सुंदर प्रस्तुतियां दी। मुख्य कलाकार के रूप में अंजलि एवं साथी, सृष्टि लक्ष्मी, शिवांगी सिंह, प्रतिभा पंडित, खुशबू कुमारी ने कजरी का प्रस्तुतीकरण किया जिस पर दर्शक दीर्घा में बैठे लोग मंत्र मुग्ध हो गए और करतल ध्वनि से स्वगत किया। अरे रामा रिमिक्स हमसे सावन हे सब्बी, पिया मेहंदी ले आद एवं भजन की भी प्रस्तुति की गई। यह टीम युवा



महोत्सव बिहार 2022 में प्रथम स्थान प्राप्त की थी। राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2022 में चौथा स्थान प्राप्त की थी। कलाकारों के संगत में ढोलक पर संगत कलाकार डॉ रविंद्र कुमार, बँबू पर जयपाल जी, पैड पर विकास प्रजापति तो सृष्टि लक्ष्मी ने हार्मोनियम बजाई। जिला प्रशासन के उद्घोषक

अजय अटल के नेतृत्व में धांधी-बेल्लारी पथ पर निशुल्क कांवरिया सेवा शिविर के सांस्कृतिक मंच से मेला मे आई महिला कांवरियों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इस कार्यक्रम में दानिका परिवार के प्रस्तुतियों ने सबके मन को मोह लिया।

अवैध चल रहे डायग्नोस्टिक सेंटर एवं जांच केंद्र को किया गया सील

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी। शहर के नया बाजार इलाके में मंगलवार को संचालित अवैध नर्सिंग होम ओम डायग्नोस्टिक सेंटर में छापेमारी कर दर्जनों चिकित्सीय उपकरण जप्त करते हुए जांच केंद्र सील कर दिया गया है।

एसडीएम सारा अशरफ, आईपीएस डॉक्टर के रामदास एवं अस्पताल उपाधीक्षक डॉ उदय कुमार के मौजूदगी में छापेमारी की गई। उपाधीक्षक कुमार ने बताया कि उक्त निजी अस्पताल और पैथो लैब अवैध तरीके से चलाए जा रहे थे। फर्जी डॉक्टर का नाम लिखकर चलाया जा रहा था। छापेमारी में



सांसद ने मुक्त बिहारी वाजपेई की योजना को औरंगाबाद बिहार में कराने की मांग की

गया। अटल बिहारी वाजपेई के नाम कई योजना चलाई जा रही है। पूर्व प्रधानमंत्री का बहुत अच्छा सोच था। देश के सभी नदीयों को आपस में जोड़ा जाए, जिसमें देश में उत्पन्न बाढ़ एवं जल संकट को दूर किया जा सके, औरंगाबाद सांसद ने जल शक्ति मंत्री एवं सरकार से मांग की है अटल बिहारी वाजपेई के नाम से शिघ्र योजना बनकर बाढ़ नियंत्रण का काम शुरू किया जाए, बिहार में अधुरी पड़ी योजना को शिघ्र पुर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए जाए। बिहार में अधुरी पड़ी योजना को शिघ्र पुर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए जाए, बिहार में मुख्य जल परियोजना उतर कोल परियोजना, मंगल डैम, हरियाली डैम, सोन केलाल योजना आधु अधुरी मे पड़ी हुई है जन हित में इन योजनाओं को जल्द पूरा कराने की मांग की गई है औरंगाबाद सांसद द्वारा, उतर कोयलहर योजना का काम चल रहा है। नहर के उतरी भाग पर एक से चार किलोमीटर उतरी भाग पर पक्की पथ पर निर्माण करा दिया जाएगा तो उससे मजबूती भी मिलेगी और बरसात के दिनों में बांध के रख रखाव में आसानी होगा एवं विभाग को भी आसानी होगा, इस काम की जांच की जाए।

रोटरी क्लब ऑफ गया युवा की 10वीं स्थापना समारोह का आयोजन

गया। रोटरी क्लब ऑफ गया युवा ने अपनी 10वीं स्थापना समारोह का भव्य आयोजन होटल थम्मा ग्रीड में किया गया है। इस विशेष अवसर ने क्लब की पिछली सफलताओं का उत्सव मनाते हुए नए नेतृत्व की शुरुआत को भी चिह्नित किया गया है। समारोह को शुरुआत क्लब के अध्यक्ष विवेक अग्रवाल द्वारा की गई है। इसके बाद राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई है। जिलाध्यक्ष विपिन चाचन और प्रथम महिला शिल्पी चाचन ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की, जिससे कार्यक्रम में शुभता और प्रेरणा का संचार हुआ है। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में संवी बरनवाल द्वारा "शिव तंडव" का अद्भुत प्रदर्शन और साक्षी जैन द्वारा "गणेश वंदना" पर नृत्य ने समारोह को जीवंत बना दिया। अनिल और शिल्पी बरनवाल ने मान्यताओं को मंच पर स्वागत किया, और अनुराग पोद्दार और रिमता पोद्दार ने स्वागत भाषण से कार्यक्रम को गर्मजोशी और स्नेह प्रदान किया गया है। पूर्व सचिव राहुल महानज और पूर्व अध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने अपने कायाकाल की उपलब्धियों और अनुभवों को साझा किया है। इसके बाद, अध्यक्ष अर्चना गौयनकार और सचिव भावना अग्रवाल ने नई जिम्मेदारियों की शपथ ली गई है। नई अध्यक्ष अर्चना गौयनकार ने अपने उद्घाटन भाषण में आगामी वर्ष के लिए अपने लक्ष्यों और योजनाओं की घोषणा की गई है। उन्होंने क्लब की दिशा में समाज के उत्थान के लिए कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। अर्चना गौयनकार ने विशेष रूप से स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में जन जागरूकता अभियान पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि क्लब भविष्य में भी समाज के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाओं और कैंपों का आयोजन जारी रखेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ हो सके। क्लब ने नए बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में सचिव भावना अग्रवाल, उपाध्यक्ष निशांत अग्रवाल, और कोषाध्यक्ष रिमता पोद्दार शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अनिल बरनवाल, अनुराग पोद्दार, रोहिनी खेतान, चुंकी वोस, रूची जैन, मुकेश गुप्ता, कमलेश पोद्दार, राहुल महानज, और डॉ. तेजस्वी नंदन भी बोर्ड के सदस्य हैं। इन सभी ने क्लब के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का संकल्प लिया है। इन सदस्यों का स्वागत करते हुए जिलाध्यक्ष विपिन चाचन ने उन्हें लैपल पिन प्रदान किए हैं।

हाजीपुर वैशाली कांवेडियों की मौत पर मुस्लिम समुदाय ने पठान टोली मस्जिद परिसर में जताया शोक

औरंगाबाद। वैशाली जिले के औद्योगिक नगर थाना क्षेत्र में हाई वोल्टेज बिजली के तार की चपेट में आने से 9 कांवेडियों की मौत हो जाने पर मंगलवार को 2:00 बजे जोहर की नमाज के बाद पठान टोली मस्जिद परिसर में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान 2 मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया गया। इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया गया। मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद पैगाम ईसाईयत के अध्यक्ष मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान, चांद खान, मो. शौकत, मो. जमशेद आलम, मो. मोईन, और मो. आरिफ ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। सभी ने कहा कि यह दुर्घटना अत्यंत दुखद है और हम सभी इस घटना से मर्माहत हैं। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कहा कि मृतकों के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने के लिए अल्लाह से दुआ की गई। पैगाम ईसाईयत के जिला अध्यक्ष सल्लू खान ने कहा कि यह घटना को भुलाया नहीं जा सकता है। एक साथ नौ शवश्या निकलने के दौरान पूरा गांव रो पड़ा। इस हादसे में किसी की मांग सूची हो गई, तो किसी का बुढ़ापा का सहारा छिन गया। किसी ने रक्षाबंधन से पहले अपना भाई खो दिया। सल्लू खान ने कहा कि मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये और घायलों के परिवारों को आजाया देने के साथ-साथ मृतकों के परिजनों को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। हाजीपुर जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी मांग की गई है कि परिजनों को उचित मुआवजा और सहायता दी जाए।

बिहार सरकार					
भवन निर्माण विभाग					
कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना का कार्यालय अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना, संख्या — 11 वर्ष 2024-25					
1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना।				
2. परिणाम-विषय बिद्धी की तिथि एवं समय	दिनांक 19.08.2024 को 12:00 बजे अपराह्न तक।				
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	दिनांक 20.08.2024 को 03:00 बजे अपराह्न तक।				
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 20.08.2024 को 03:30 बजे अपराह्न।				
5. परिणाम विषय बिद्धी का स्थान	(क) अंचल कार्यालय, दक्षिण बिहार भवन अंचल, पटना। (ख) प्रमंडल कार्यालय, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना। (ग) संबंधित अवर प्रमंडल कार्यालय।				
6. निविदा प्राप्ति का स्थान	क्रमांक (5) के वर्णित स्थान (क) एवं (ख) पर।				
7. कार्य का विवरणी :-					
क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख ₹० में)	अग्रधन की राशि (₹० में)	परिणाम विषय का मू० (₹० में) (अग्रव्ययवर्णीय)	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Remaining Work of Campus Development at Abhilekh Bhawan, Patna for the year 2024-25.	13.78	27,600=00	2,500=00	02 माह
2.	Renovation of Stainless Steel Grill and 3D Letter in Connection Building and Other Work at Abhilekh Bhawan, Patna for the year 2024-25.	13.56	27,200=00	2,500=00	02 माह
3.	Supplying and Installation of Led Name Board on Portico, Drain Slab and Other Work of Main Building at Abhilekh Bhawan, Patna for the year 2024-25.	13.89	27,800=00	2,500=00	02 माह
4.	Renovation of Sanitary Installation, Water Supply and Sewerage System at Abhilekh Bhawan, Patna for the year 2024-25.	13.92	27,900=00	2,500=00	02 माह
5.	Renovation of Sewerage System and Sewer Line in the Campus of Abhilekh Bhawan, Patna for the year 2024-25.	10.45	20,900=00	2,500=00	02 माह

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

PR. No. 005445 (BCD) 2024-25

नशी की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार। केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना

को पाली बार बैठए। अधीक्षण अभियंता बिजली विभाग ने बताया कि पिछले वर्ष मेला क्षेत्र के विभिन्न बिजली के खंभो पर डाई इलेक्ट्रिक पेंट करवाया गया है। इस वर्ष भी किया जा रहा है। वोल्टेज सहित निर्वाह विद्युत आपूर्ति के लिये 200 केवी क्षमता वाले 7 अतिरिक्त ट्रांसफार्मर जो कामाख्या मंदिर के समीप, कृष्ण द्वारिका, पंजाब नेशनल बैंक चांद चौरा, संक्रामक अस्पताल, नादरा गंज, डिग्री मॉड एवं कालीबाड़ी में लगाये गए थे, जिसका अच्छी परिणाम मिला था। इस वर्ष दो अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने की आवश्यकता देखी जा रही है। मेला क्षेत्र के करीब 30 किलोमीटर के परिधि में एवी केबल का कार्य पूर्ण किया गया है। निर्वाह बिजली आपूर्ति के लिए डंडीबाग फीडर में 33 के वी का मटेनेंस कार्य भी पूर्ण कर ली गई है। इस बैठक में वरीय उप समाहर्ता सह नोडल पदाधिकारी पितृपक्ष मेला रविन्द्र दिवाकर, अधीक्षण अभियंता बिजली, कार्यपालक अभियंता बिजली, सभी सहायक अभियंता बिजली उपस्थित थे।

एक पेड़ मां के नाम पर लगाया गया तो पर्यावरण और भविष्य के लिए है अत्यंत महत्वपूर्ण

प्रातः किरण संवाददाता

गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर एक पेड़ मां के नाम पर वृक्ष लगाने का अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी बागवानी प्रकोष्ठ के सह संयोजक डॉ मनीष पंकज मिश्रा में एक पेड़ मां के नाम पर लगाकर आरम्भ किया। इस अवसर पर डॉ मनीष पंकज ने कहा हमारे पर्यावरण और भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब एक पेड़ मां के नाम पर लगाया जाता है, तो यह न केवल पर्यावरण को सहेजता है बल्कि मां के प्रति सम्मान और प्रेम का अद्वितीय उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। मां वह होती है जो जीवन देती है, पोषण करती है, और हर कठिनाई में संतान का साथ देती है। एक पेड़ भी ठीक वैसे ही होता है। वह हमें ऑक्सीजन देता है, छाया प्रदान करता है, और प्रकृति को संजीवनी शक्ति प्रदान करता है। मां के नाम पर पेड़ लगाना उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक सुन्दर तरीका है। यह एक पेड़ वहाँ तक खड़ा रहेगा, ठीक वैसे



ही जैसे मां का स्नेह और आशीर्वाद हमारी जिंदगी में हमेशा बना रहता है। पेड़ का हर पत्ता, हर शाखा हमें मां की ममता की याद दिलाएगा। इसके अलावा, यह पहल आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करेगी कि वे अपने माता-पिता और पर्यावरण दोनों का सम्मान करें। पेड़ लगाने का यह कार्य एक स्थायी स्मृति चिह्न बन जाता है। यह न केवल पर्यावरण की सेवा करता है बल्कि सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों को भी मजबूत करता है।

शामिल एस आई बलिस्टर राम ने बताया कि क्लिनिक से कई डॉक्टर के फर्जी विजिटिंग कार्ड प्राप्त हुआ है।

उक्त दौरान कागजात व अन्य दस्तावेजों का जांच किया गया जो अवैध बताया गया है। इसके बाद जपती सूची बनाते हुए डायग्नोस्टिक सेंटर एवं पैथोलॉजी को सील कर दिया गया है। अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि कई चिकित्सकों का नाम लिख कर अस्पताल को अवैध तरीके से संचालित किया जा रहा है। प्रथम दृष्टया मिले साक्ष्य के के आधार पर संचालक सह फर्जी डॉक्टर के खिलाफ प्राथमिकी की कार्रवाई का आदेश दिया गया है।

शामिल एस आई बलिस्टर राम ने बताया कि क्लिनिक से कई डॉक्टर के फर्जी विजिटिंग कार्ड प्राप्त हुआ है।

उक्त दौरान कागजात व अन्य दस्तावेजों का जांच किया गया जो अवैध बताया गया है। इसके बाद जपती सूची बनाते हुए डायग्नोस्टिक सेंटर एवं पैथोलॉजी को सील कर दिया गया है। अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि कई चिकित्सकों का नाम लिख कर अस्पताल को अवैध तरीके से संचालित किया जा रहा है। प्रथम दृष्टया मिले साक्ष्य के के आधार पर संचालक सह फर्जी डॉक्टर के खिलाफ प्राथमिकी की कार्रवाई का आदेश दिया गया है।

शेरघाटी में श्रमजीवी पत्रकार संघ का बैठक हुआ संपन्न

प्रातः किरण संवाददाता

शेरघाटी। शहर के मेला स्थित बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन जिला गया अनुमंडल इकाई शेरघाटी की बैठक मंगलवार को जगलाल महतो नगर स्थित होटल साधना पैलेस में गया जिला अध्यक्ष सूर्य प्रताप श्रीकांत की अध्यक्षता एवं संयोजक कंचन कुमार सिन्हा व रौशन कुमार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। संचालन वरीय पत्रकार एस के उल्लाह ने किया। बैठक में सर्व सम्मति से अनुमंडल संयोजक हिंदुस्तान पत्रकार एस के उल्लाह उर्फ गुड्डू जी को, अध्यक्ष कौशलेन्द्र कुमार, महासचिव नवीन कुमार मिश्रा एवं देवनंदन प्रसाद यादव को कोषाध्यक्ष चुना गया।

वरीय पत्रकार इमरान अली और सुबेदार कुमार यादव उपाध्यक्ष चुने गए हैं। जबकि अमित कुमार सिंह दैनिक जागरण, धर्मेंद्र कुमार प्रखंड से आए संवाददाताओं ने गुप्ता, कशिश न्यूज व अनवर हुसैन



सोनी दैनिक जागरण को संयुक्त रूप से सचिव बनाया गया है।

इस मौके पर वक्ताओं ने पत्रकारिता के क्षेत्र में आने वाली कठिनाइयों और परिस्थितियों के साथ फ्रंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के वर्तमान संदर्भ पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन किया गया। अनुमंडल इकाई की कमिटी में सभी प्रखंड के साथियों को प्रतिनिधित्व दिए जाने का निर्णय लिया गया है जो कमिटी विस्तार में की जाएगी। उक्त दौरान प्रदीप भारद्वाज, चंदन कुमार मिश्रा, रामानंद सिंह, नीरज मिश्रा, अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न प्रखंड से आए संवाददाताओं ने अपनी सहभागिता निभाई।

औरंगाबाद जिले के पशुपालन को बढ़ावा करने की मांग : अभय कुशवाहा

प्रातः किरण संवाददाता

गया। लोकसभा में मत्स्य पालन पशुपालन एवं डेयरी चर्चा में औरंगाबाद सांसद अभय कुशवाहा ने कहा संशोधित बजट में सचिवालय के लिए उनसठ करोड़ आवंटित किए गए थे लेकिन 24-25 के बजट में घटाकर कम कर दिया गया, डेयरी विकास के बजट में पांच से निवादा करोड़ से घटाकर तिन से सततर कर दिया है जो डेयरी उद्योग को छ्ती पहुंचाएगी, ग्रामीण लोगों का आजीविका का साधन है। निेशनल लाइव स्टोटेड मिशन के बजट में घटाकर यह मिशन पशु धन को बढ़ावा को प्रभावित करे, छोटे छोटे पशु पालक नेटवर्क जुडा हुआ है। पशु की आकर्मिक मृत्यु



पर कोई सहायता नहीं मिलती है। ऋण लेते हैं और अपने तरफ से आंजविका चलाता है उसका ऋण माफ किया जाए और जो अपने से चलाते हैं उनको मदद किया जाए, कोई सरकार से मदद नहीं मिलती है। औरंगाबाद जिले में पशु चिकित्सालय बहुत दयनीय है प्रखंड स्तर पर पशु चिकित्सा की आवश्यकता है छोटे पशुपालन के लिए प्रोत्साहित करे, छोटे किसान इसके साथ जुड़े और दुध उत्पादक को बढ़ावा मिले।

हिंदुस्तानी अवाग मोर्चा ने बनाया युवा का प्रदेश अध्यक्ष

गया हिंदुस्तानी अवाग मोर्चा सेकुलर ने युवा के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर शुभम कुमार को मनोनित किया है। शुभम कुमार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन जी, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री वर्तमान टेकरी विधायक डॉ अनिल और युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मो कमल परवेज जी के द्वारा संयुक्त रूप से मनोनित पद दिया गया है। इस अवसर पर डा अनिल कुमार ने कहा कि पार्टी में युवाओं की भूमिका अहम होती है, युवाओं के कंधो पर ही पार्टी ज्यादा जिम्दारी होता है हमारे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा है और वे एक कुशल नेतृत्व कर्ता है जिससे युवाओं में उनका लोकप्रियता बहुत काफी बढ़ते जा रहा ओ दिन दूर नहीं जब युवाओं की सबसे बड़ी पार्टी हिंदुस्तानी अवाग मोर्चा (से०) होगा। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्याम सुंदर शरण जी ने भी शुभम को प्रदेश अध्यक्ष बनने पर कुशल मंगल कामनाएं दी है।

बिहार सरकार	
भवन निर्माण विभाग	
कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना का कार्यालय अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना संख्या- 27 वर्ष 2024-25	
(विशेष शर्त मद एवं मात्रा के लिए वेबसाइट State.bihar.gov.in/prdbihar देखें)	
समुचित रूप में निर्दिष्ट संदर्भों/स्थिति प्राप्त फर्म/कम्पनियों से दिनांक 16.08.2024 के अपराह्न 12.30 बजे तक निर्देशानुसार निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरवद कोटेशन अधीक्षण अभियंता, दक्षिण बिहार अंचल, पटना का कार्यालय एवं अहोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त किया जाएगा और उसी दिन 3.00 बजे अपराह्न में कोटेशनदाताओं या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मक्ष खोला जायेगा।	
कोटेशन का मूल्य (रुपये में) प्रत्येक कार्य क्रमांक के कोटेशन-मंत्र के साथ कोटेशन मूल्य ONLINE GOVERNMENT REVENUE AND ACCOUNTING SYSTEM (O-GRAS) के माध्यम से (कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना) के पदनाम से जमा करना अनिवार्य होगा, जो कोटेशन प्रकाशन की तिथि के बाद का होना चाहिए। कोटेशन प्रकाशन के पूर्व के निर्मित ओ-ग्रास (O-GRAS) का कम्प्यूटराईज्ड प्रॉबिट रसीद पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।	
कोटेशन मूल्य संवेक के द्वारा कुल कोटेश राशि के अनुपात होगा, जो निम्न प्रकार है :- ₹० 0 से ₹० 50,000 तक- ₹० 250 /- , ₹० 50,001 से ₹० 2,50,000 तक- ₹० 500 /- , ₹० 2,50,001 से ₹० 5,00,000 तक- ₹० 750 /- , ₹० 5,00,001 से ₹० 10,00,000 तक- ₹० 1,250 /- , ₹० 10,00,001 से ₹० 15,00,000 तक- ₹० 2,500 /- एवं अग्रधन की राशि- 2% (कोटेश राशि का मूल्य वो प्रतिशत) कोटेशन कागजात के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा। कार्य का विवरणी :-	
SI No.	Name of Work/Specification
01-	Reinstallation and Shifting of Audio & Video System with Repairing of TV and Supply of Required of Extra Item Like (TV, Wireless Mike, Delegate Mike, HDMI Receiver & Transmitter etc.) at Urban Development Conference Hall at Ground Floor to 3 rd Floor at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.
02-	Renovation of Wooden Acousting, Wardrobe and Other Work in U.S. in Conference Hall of 3 rd Floor of Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.
03-	Renovation of Partition and Wardrobe of Room No. - 19 of U.D. Department at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.
04-	Renovation of Wardrobe in Hall No. - 19 of U.D. Department at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.
05-	Renovation of Civil Work in Room No. - 19 and 120 of U.D. Department at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.
06-	Renovation of Room No. - 101, 102 and 103 of U.D. Department at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.
07-	Renovation of Room No. - 120 of U.D. Department at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.
08-	Renovation of Room No. - 160 of U.D. Department at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.
09-	Renovation of Conferene Hall of U.D. Department at 3 rd Floor at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.
10-	Renovation of Tiles, Wall Paneling and Other Work in Room No. - 101, 102, 103, 105, 129, 130 and 132 of U.D. Department at 3 rd Floor at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.
11-	Renovation of Louvers, Wardrobe, Partition and Other Work in U.D. Department at 3 rd Floor at Vikash Bhawan, Patna for the year 2024-25.
➤ कार्य समाप्ति की अवधि :- 01 माह	
➤ सक्षम पदाधिकारी के निर्देशन में ही सामानों की आपूर्ति की जानी है तथा आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति के पश्चात् ही मुतातान की प्रक्रिया की जाएगी।	
➤ विशेष जानकारी हेतु अहोहस्ताक्षरी के कार्यालय में कार्यावधि में सम्पर्क करें।	
1. विधि सूचना के लिए सूचनापत्र या वेबसाइट www.state.bihar.gov.in/prd बिहार देखें या अहोहस्ताक्षरी कार्यालय में सम्पर्क करें।	
PR-05423 (B C D) 2024-25	
नशी की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार। केन्द्रीय भवन प्रमण्डल, पटना	

ओलंपिक में बाहर होने के बाद बोली सिंधु

में खेल जारी रखूंगी लेकिन थोड़े समय के ब्रेक के बाद

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने शुक्रवार को कहा कि वह ओलंपिक खेलों से प्री क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद संक्षिप्त ब्रेक लेंगी क्योंकि वह अपने करियर की 'सबसे कड़ी हार में से एक' से उबर रही हैं लेकिन उन्होंने अपने आगे के सफर का 'सावधानीपूर्वक' मूल्यांकन करने के बाद खेल जारी रखने का वादा किया।

रियो ओलंपिक 2016 में रजत और टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधु चीन की युनियी को



नौवें नंबर की खिलाड़ी ही बिग जिआओ से सीधे गेम में हारने के बाद पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गईं। सिंधु ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अपने भविष्य के बारे में मैं स्पष्ट होना चाहती हूँ, मैं खेलना जारी रखूंगी, हालांकि थोड़े समय के ब्रेक के बाद। मेरे शरीर और उससे भी महत्वपूर्ण बात, मेरे दिमाग को इसकी जरूरत है। हालांकि मैं आगे की यात्रा का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की योजना बना रही हूँ और जिस खेल से मैं बहुत प्यार करती हूँ, उसे खेलने में ज्यादा आनंद दूँगी।

उन्होंने लिखा, 'यह हार मेरे करियर की सबसे कठिन हार में से एक है। इसे स्वीकार करने में समय लगेगा लेकिन जैसे-जैसे जीवन आगे बढ़ेगा, मुझे पता है कि मैं इसे स्वीकार कर लूंगी। भारत की शीर्ष खिलाड़ियों शामिल इस 29 वर्षीय ने कहा कि खेलों के लिए उनकी तैयारी आदर्श नहीं थी लेकिन यहां आने के बाद उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। उन्होंने कहा, 'पेरिस 2024 की यात्रा एक संघर्ष थी जिसमें दो साल तक चोट से जूझना और खेल से लंबे समय तक दूर रहना शामिल था। इन चुनौतियों के बावजूद यहां खड़े होकर और तीसरे ओलंपिक में अपने अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं वास्तव में धन्य महसूस करती हूँ।

एंजेला कैरिनी को आईबीए से मिलेंगे 50 हजार डॉलर

'पुरुष' बॉक्सर के खिलाफ खेलने से कर दिया था मना



पेरिस (एजेंसी)। इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (आईबीए) ने घोषणा की है कि वह पेरिस ओलंपिक में अल्जीरियाई मुक़बल इमान खेलीफ के खिलाफ वेल्डरवेट राउंड ऑफ 16 मुक़ाबले से हटने के बाद इटली की एंजेला कैरिनी को 50,000 डॉलर की पुरस्कार राशि देगा। यह मैच केवल 46 सेकंड तक ही चल पाया था। कैरिनी खलीफ के आक्रामक मुक़ाबले से अभिभूत हो गईं, जिसके कारण वह जल्दी बाहर हो गईं।

आईबीए ने लगा रखा है बैन

पिछले साल अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय मान्यता खीन ली गई। आईबीए ने यह भी कहा कि कैरिनी को महासंघ और कोच प्रत्येक को 25,000 डॉलर मिलेंगे। इस घटना ने खेलों में लैंगिक पात्रता पर व्यापक विवाद को जन्म दे दिया है। आईबीए के पात्रता नियमों में असफल होने के कारण 2023 विश्व चैंपियनशिप में दोनों एथलीटों को अयोग्य घोषित किए जाने के बावजूद, खलीफ को ताइवान के डबल विश्व चैंपियन लिन यू-टिंग के साथ पेरिस में प्रतिस्पर्धा करने के लिए मंजूरी दे दी गई थी।

14 गेंदों में एक रन नहीं बना पाने से निराश हूं : रोहित शर्मा

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ हले वनडे में जीत की स्थिति में होने के बावजूद भारतीय टीम को टाई से संतोष करना पड़ा। श्रीलंका 'पहले खेलते हुए 230 रन बनाए'। भारतीय टीम ने 14 गेंदों पर एक रन चाहिए था लेकिन अर्शदीप रूप में आखिरी विकेट गिर जाने के कारण काबला टाई हो गया। मैच के बाद निराश भारतीय ज्ञान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में जीत के लिए 14 गेंदों पर एक रन बना लेना चाहिए था। भारतीय टीम 231 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 58 रन की ज़रूरत के बावजूद 47.5 ओवरों में 230 रन पर समाप्त हुई।

भारतीय खिलाड़ी श्रीलंका के 4 स्पिनरों के सामने कभी सहज नहीं रहे। कप्तान रोहित ने मैच के आद कहा कि स्कोर हासिल किया जा सकता था। किन इसके लिए आपको अच्छी बल्लेबाजी करनी पड़ी। हमने टुकड़ों में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन रन नहीं बना पाए। हमने अच्छी शुरुआत की। किन हमें पता था कि सिम आने पर खेल बदल



जाएगा। हमने कुछ विकेट गंवा दिए और पिछड़ गए। कप्तान ने ज्यादा आलोचना नहीं करते हुए कहा कि हमने अक्षर पटेल और केएल राहुल के बीच

साझेदारी से वापसी की। लेकिन इनके आउट होने से फिर संतुलन गड़बड़ गया। 14 गेंदों में एक रन नहीं बना पाने से निराश हूँ, लेकिन मैं ज्यादा नहीं कहूंगा।

ऐसा रहा मुक़ाबला

कप्तान रोहित शर्मा के बाद मध्यक्रम बल्लेबाजों के जोर से भारतीय टीम ने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंकाई टीम से पहला वनडे मुक़ाबला टाई करवा लिया। श्रीलंकाई टीम ने पहले खेलते हुए 8 विकेट पर 230 रन बनाए थे। पाथुम निरसांका 56 तो बुनिथ 67 रन बनाने में सफल रहे थे। जबवा में खेलने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। लेकिन वाशिंगटन सुंदर, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर के जल्द आउट होने के कारण स्थिति गड़बड़ हो गई। लेकिन अंत में केएल राहुल, अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने संक्षिप्त पारियां खेलीं। 48वें ओवर में भारतीय टीम ने लगातार दो गेंदों पर दो विकेट गंवाए जिससे मुक़ाबला टाई हो गया। श्रीलंका के लिए हसरंगा ने 3 तो असलांका और बुनिथ ने 2-2 विकेट लिए।

लक्ष्य से न रचा पेरिस ओलंपिक में इतिहास

● पदक से सिर्फ एक जीत दूर, सेमीफाइनल में मारी एंटी ● क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य से न रचा पेरिस ओलंपिक में इतिहास

सेमीफाइनल में पहुंचने वाले बने पहले भारतीय शटलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 के 7वें दिन भारत के स्टार शटलर लक्ष्य से न रचा इतिहास रचते हुए मंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। इस तरह लक्ष्य से न रचा अब मेडल जीतने से सिर्फ एक मैच दूर है। सेमीफाइनल में वह अगर जीत हासिल करते हैं तो उनका मेडल पक्का हो जाएगा। सिर्फ इतना ही नहीं, लक्ष्य से न रचा ओलंपिक के मंस सिंगल्स बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी भी बने हैं। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य से न रचा चीनी ताइपे के चोइ तियेन चैन को रोमांचक मुक़ाबले में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

पी वी सिंधू और साल्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी के हारने के बाद अब पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में सारी उम्मीदें लक्ष्य पर टिकी हैं। भारत के लिए ओलंपिक में महिला एकल बैडमिंटन में साइना नेहवाल (2012) कांस्य, रजत (2016) और कांस्य (2020) जीत चुकी हैं। राधमंजुल चैम्पियन लक्ष्य का सामना अब 2021 के विश्व चैम्पियन सिंगापुर के लोह कीन यू और ओलंपिक चैम्पियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलेसन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। भारत के लिए ओलंपिक बैडमिंटन पुरुष एकल स्पर्धा में पारुपल्ली करण 2012 लंदन ओलंपिक में और किदाम्बी श्रीकांत 2016 रियो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे।

दीपिका क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं



पेरिस (एजेंसी)। दीपिका ने जर्मनी की मिशेल क्रॉपिन को 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। अब उनका सामना हमवतन भजन कौर से हो सकता है, जिनका आगला मुक़ाबला इंडोनेशिया की डायनांडा चोइरुनिसा से होगा।

पेरिस ओलंपिक में लक्ष्य से न रचा

रूप एल - बनाम जुलियन कैरागी (बैल्जियम)	21-19, 21-14 (जीत)
रूप एल - बनाम जोनाथन क्रिस्टी (इंडोनेशिया)	21-18, 21-12 (जीत)
राऊंड 16 - बनाम एचएस प्रणोय (भारत)	21-12, 21-6 (जीत)
क्वार्टरफाइनल - बनाम चाउटीएन चैन (ताइपे)	19-21, 21-15, 21-12 (जीत)

लक्ष्य इससे पहले पिछले 5 में से 4 मैच चैन से हार चुके थे। दोनों के बीच मुक़ाबला बराबरी का था और पासा पल पल पलटता रहा। दोनों ने लंबी रलियां लगाईं और पिछड़कर वापसी करते रहे। पहले गेम में एक समय स्कोर 15-15 से बराबर था और लक्ष्य ने तीन अंक की बढ़त बना ली। लेकिन चैन ने वापसी करते हुए तीन अंक बनाये और बैकहैंड पर लक्ष्य की गलती का फायदा उठाते हुए पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी दोनों ने आक्रामक शुरुआत की। जब स्कोर 7-7 था तब लक्ष्य ने लाइन कॉल के लिए रिब्यू लिया जिसका फैसला उनके पक्ष में नहीं रहा।

वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज़ टीम चैंपियनशिप 2024

कार्लसन से हारे अर्जुन, डबल्यूआर टीम को बढ़त

अस्ताना, कजाकिस्तान (एजेंसी)। विश्व रैपिड टीम शतरंज चैंपियनशिप के पहले तीन राउंड के बाद विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन के नेतृत्व वाली टीम डबल्यूआर ने भारत की टीम एमजीडी। को पराजित करते हुए एक बार फिर अपना खिलाब जीतने की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिये हैं। डबल्यूआर टीम में कार्लसन ने तीसरे राउंड में पहले बोर्ड पर भारत के अर्जुन एरिगासी को एक शानदार राजा और प्यादों के एंडगेम में काले मोहरो से पराजित किया, दूसरे बोर्ड पर एमएल नारायणन को यान



नेपोमनिशी से, चौथे बोर्ड पर प्रणव वी को अब्दुसत्तरोव नोदिरबेक से पराजित का सामना करना पड़ा, एमजीडी1 की ओर से पांचवें बोर्ड पर हारिका द्रोणावल्ली ने हाऊ

इफ़ान को और छठे बोर्ड पर मिहिर शाह ने वॉदिम रोसेस्टेन को मात दी और तीसरे बोर्ड पर रौनक साधवानी ने यान डूझ से बाजी डूँ खेली पर डबल्यूआर टीम 3.5-2.5 से बाजी जीतने में सफल रही। अन्य मुक़ाबलों में दो विश्व चैंपियन डीग लीरन और जून वेंजून की मौजूदगी में डिकेड चाइना ने टीम हंस को 4-2 से, टीम चैसि ने किंग्स ऑफ चैस करको को 4-2 से, यूई की टीम अल ऐन ने रकिस को 5-1 से, मेजबान कजाकिस्तान चैस ने मिश्र को 6-0 से पराजित किया। रैपिड में कुल 12 राउंड खेले जाएंगे।

पेरिस ओलंपिक 2024-तीरंदाजी

धीरज और अंकिता की मिश्रित जोड़ी कांस्य पदक मुक़ाबले में हारी

पेरिस (एजेंसी)। भारत के धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत पेरिस ओलंपिक में मिश्रित युगल तीरंदाजी में पदक से चूक गए जिन्हें कांस्य के पदक मुक़ाबले में अमेरिका की कैसी कॉफहोल्ड और ब्रेडी एलिसन की जोड़ी ने 6-2 से हराया। धीरज और अंकिता की पांचवीं वरीय जोड़ी सेमीफाइनल में पहला सेट जीतने के बावजूद किम वूजिन और लिम सिहियोन की दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीय जोड़ी से 2-6 से हारने से कांस्य पदक के मुक़ाबले में पहुंची थी। अमेरिकी जोड़ी के खिलाफ उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही जिसमें उन्होंने पहले दो सेट गंवा दिए। भारतीय तीरंदाजों ने तीसरा सेट जीतकर वापसी की उम्मीद जगाई लेकिन कैसी और ब्रेडी की जोड़ी ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया और 38-37, 37-35, 34-38, 37-35 से कांस्य पदक जीत लिया। इससे पहले धीरज और अंकिता को दक्षिण कोरियाई जोड़ी से 38-36, 35-38, 36-38, 38-39 से हार झेलनी पड़ी। धीरज और अंकिता ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला सेट 38-36 से जीता। लिम ने आठ और 10 अंक के साथ शुरुआत की जबकि किम ने दोनों बार नौ अंक जुटाए। धीरज ने



अपने दोनों निशाने 10 अंक पर लगाकर जीत सुनिश्चित की। भारतीय जोड़ी ने दूसरा सेट 35-38 से गंवाया। लिम और किम ने 10-10 अंक से शुरुआत की।

अंकिता पहले प्रयास में 8 अंक ही जुटा सकी जबकि धीरज ने नौ अंक पर निशाना साधा। लिम और किम दोनों ने दूसरे प्रयास में नौ अंक के साथ

जीत सुनिश्चित की और स्कोर 2-2 किया। धीरज और अंकिता तीसरा सेट भी 36-38 से हार गए। लिम ने नौ और किम ने 10 अंक से शुरुआत की जिसके जवाब में अंकिता और धीरज ने नौ-नौ अंक जुटाए। लिम और किम ने अपने अंक दोहराकर मजबूत स्कोर बनाया।

टी20 सीरीज गंवाने के बाद कोच जयसूर्या ने निकाली श्रीलंकाई टीम में खामी

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या ने कहा कि भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में हार के बाद उनके खिलाड़ियों को अपनी 'क्रिकेट जागरूकता' में सुधार करने पर काम करना होगा। श्रीलंका ने तीन मैचों की श्रृंखला के दौरान कई बार अच्छी स्थिति में होने के बाद लगातार विकेट गंवाए और टीम को 0-3 से हार झेलनी पड़ी। जयसूर्या ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले कहा कि मुझे प्रतिबद्धता की कमी नहीं दिखती, लेकिन उन्हें दबाव से बेहतर तरीके से निपटना होगा। उन्हें मैच की परिस्थितियों को लेकर अपनी क्रिकेट जागरूकता को बेहतर करने की जरूरत है। हम इस हार की जिम्मेदारी ले रहे हैं। आप इससे दूर नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि जब तक उन्हें इस बात का एहसास होगा हमें तब तक उन्हें विश्वास और समर्थन देते रहना होगा।

जयसूर्या ने कहा कि बल्लेबाजों को लगातार छक्के लगाने की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि श्रीलंका के मैदान बड़े हैं और चौके तथा दो रन दौड़कर लेने के पर्याप्त मौके देते हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप पावर हिटिंग के बारे में बात करते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि आपको (श्रीलंका में) इसकी उतनी आवश्यकता है। अगर आप पर्याप्त चौके और पर्याप्त दो रन लगाते हैं, तो आपको वह स्कोर मिल जाता है जिसकी आपकी जरूरत है। श्रीलंका के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि श्रीलंका के मैदान थोड़े बड़े हैं। ऐसा कोई कारण नहीं है कि आप चौके लगाने के साथ दो या तीन रन नहीं चुरा सकते हैं। अगर आप ऐसा



चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें एक कोच के रूप में, एक सहयोगी स्टाफ के रूप में, एक टीम के रूप में आलोचना को भी स्वीकार करना होगा। एक क्रिकेटर के रूप में अपने समय में मुझे इस (परिस्थिति) से गुजरना पड़ा है, हर क्रिकेटर को इससे गुजरना पड़ता है। जब आलोचना होती है, तो आपको इसे स्वीकार करना होगा। जयसूर्या ने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त कप्तान चरित असलांका जल्द ही अच्छे प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि असलांका इस प्रारूप में हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं लेकिन जब आपको कप्तानी मिलती है तो कुछ दबाव होता है। आपको थोड़ा समय देना होगा।

सूटकेस के अंदर मिली लाश, साथी की हत्या के बाद शव ठिकाने लगाने जा रहे थे दिव्यांग

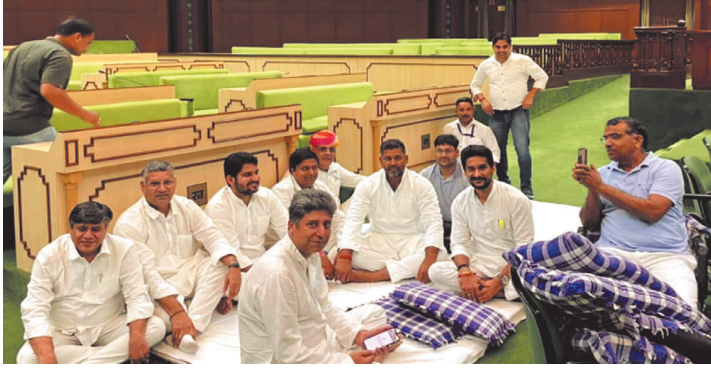
मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। दो लोग हत्या के बाद शव को सूटकेस में छिपाकर ले जा रहे थे। यह लोग शव को लेकर ट्रेन में सवार हुए थे और ऐसी आशंका है कि उसे ठिकाने लगाने जा रहे थे। लेकिन दादर स्टेशन पर ट्रेन में चेकिंग के दौरान यह सुरक्षाबलों के हथियार चढ़ गए। पुलिस के मुताबिक डेडबॉडी की शिनाख्त हो गई है। वहीं, सूटकेस में शव लेकर जा रहे लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जानकारी संबंधित थाने को दे दी गई है। खास बात यह है कि जिस शख्स का शव मिला है वह भी दिव्यांग था और दोनों आरोपी भी दिव्यांग हैं।

जानकारी के मुताबिक दो लोग एक सूटकेस लेकर ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान आरोपीएफ और जीआरपी ने चेकिंग शुरू कर दी। इस दौरान शक होने पर सूटकेस खुलवाया गया तो उसमें से शव निकला। इसी दौरान एक आरोपी वहां से भाग निकला, जबकि दूसरे को पुलिस ने पकड़ लिया। बाद में दूसरे आरोपी को भी उल्हासनगर से गिरफ्तार किया गया। पछताह के दौरान पता चला कि घटना पिढौनी थाना क्षेत्र में हुई है। आरोपियों की पहचान जय प्रवीण चावड़ा और सुजीत सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई है।

जिसको बड़ा नेता बनना है, वह दबाएगी पैर, कांग्रेस एमएलए का वीडियो दिखा भाजपा ने घेरा

जयपुर, एजेंसी। विधायक के निलंबन के खिलाफ कांग्रेस विधायकों ने राजस्थान विधानसभा में रात गुजारी। इस दौरान एक विधायक की विवादित टिप्पणी को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। वायरल हुए एक वीडियो में कांग्रेस विधायक यह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि जिसको बड़ा नेता बनना है, वह पैर दबाएगी। बड़े के चरण दबाने से ही बड़े बनते हैं। धरने पर बैठे विधायकों का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। मदन राठौड़ ने एकस पर लिखा, राजस्थान विधानसभा में धरना दे रहे कांग्रेस के विधायक यह कह रहे हैं कि जिसको बड़ा नेता बनना है, वह पैर दबाएगी। नारीशक्ति के प्रति कांग्रेस के नेताओं की यह सोच शर्मनाक और निंदनीय है। लगता है लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ



नैतिक मूल्य भी कांग्रेसी विधायक भूल गए हैं। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष द्वारा कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को सदस्य से निलंबित करने के बाद भारी हंगामा हो गया था। इस फैसले के विरोध में कांग्रेस विधायक पूरी रात सदन में धरना पर बैठ गए। इसी दौरान नेताओं में हुई बातचीत का एक वीडियो बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने शेयर किया है, जो इस समय वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक कांग्रेस विधायक कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि जिसको बड़ा नेता बनना होगा वर पैर दबाएगी। कांग्रेस

विधायक विधानसभा में पूरी रात धरने पर बैठे रहे और तालियां बजाते हुए एक सुर में रघुपति राघव राजाराम पतित पावन सीताराम भजन गाते रहे। सरकार की ओर से मुख्य सचिवतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा, राजस्थान विधानसभा के सदस्य मुकेश भाकर द्वारा आज सदन की तरफ उग्रता उठाकर जो अभद्र व्यवहार किया गया है उसके लिए उन्हें वर्तमान सत्र की बैठकों से निलंबित किया जाए इस पर अध्यक्ष देवनाानी ने कहा, भाकर को सदन से निलंबित किया जाता है। इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गई। जब कार्यवाही वापस शुरू हुई तो कांग्रेस विधायक वहां मौजूद रहे। उनसे बाहर जाने के लिए कहा गया। मगर वो नहीं गए। इसके बाद मार्शल को उन्हें बाहर निकालने के लिए कहा गया।

जंगल में मिली यूएस की महिला का बड़ा दावा, कहा- खुद को ही पेड़ से बांध लिया था



मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के एक जंगल में लोहे की जंजीर से पेड़ से बंधी मिली 50 वर्षीय अमेरिकी महिला ने अब पुलिस को बताया है कि उसने खुद को जंजीर से बांधा था और इस घटना में कोई और शामिल नहीं था। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने महिला द्वारा आत्म-शक्ति पहुंचाने के इस कृत्य के लिए उसकी मानसिक स्वास्थ्य स्थिति का हवाला दिया है। ऐसा बताया जा रहा है कि महिला मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही है। एक चरवाहे ने 27 जुलाई को जंगल में जब उसकी चीखें सुनीं तो मामला सामने आया। पेड़ से बंधी महिला काफी कमजोर

दिखाई दी। मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। पुलिस ने उसे बचाया और अस्पताल ले गई। सिंधुदुर्ग पुलिस ने शनिवार को महिला का बयान दर्ज किया, जिसमें उसने बताया कि वह तीन ताले और लोहे की जंजीर लेकर आई थी और उसने एक ताले और जंजीर का इस्तेमाल करके खुद को सोनुरली गांव के पास जंगल में एक पेड़ से बांध लिया। पुलिस ने उसके पास से उसके अमेरिकी पासपोर्ट की फोटोकॉपी और तमिलनाडु के पते वाला आधार कार्ड बरामद किया है। उसके पास से उसके अमाम्ना हो चुके वीजा की कॉपी भी बरामद हुई है। पुलिस को दिए बयान में अमेरिका महिला ने यह भी बताया है कि उसका कोई पति नहीं है। हालांकि, जांच के दौरान पुलिस को यह पता चला है कि महिला की मां अमेरिका में रहती है, लेकिन अब तक उनके परिवार से किसी ने संपर्क नहीं किया है। अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि महिला किनसे दिनों तक जंगल में चैन से बंधी हुई थी।

अलवर में सिलीसेढ़ क्षेत्र में अवैध होटल-रेस्टोरेंट पर चला बुलडोजर, निशाने पर भूमाफिया

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के अलवर शहर से करीब 16 किमी दूर सिंचाई विभाग की जमीन पर (सिलीसेढ़ एरिया) केचमेंट एरिया (डूब क्षेत्र) में बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी हो गईं। होटल और रेस्टोरेंट खोलकर लोग मोटी कमाई करने लगे और इसके जिम्मेदार कलेक्टर-एसडीएम सिंचाई विभाग के साथ रिस्कू मॉडिंग करते रहे। लेकिन आज अलवर प्रशासन ने सिलीसेढ़ क्षेत्र में बने अवैध होटल-रेस्टोरेंट पर बड़ी कर्वाही कर दी। सिलीसेढ़ क्षेत्र में बने अवैध होटल-रेस्टोरेंट सहित किये गए अन्य अतिक्रमण पर 6 जेसीबी और भारी पुलिस दल-बल के साथ प्रशासन पहुंचा। पहले चरण में 16 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। सिलीसेढ़ क्षेत्र के बहाव क्षेत्र में किए गए 16 अतिक्रमण पर बुलडोजर चला। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत शील के बहाव व सरिस्का के बफर जोन में किसी प्रकार का कोई अतिक्रमण नहीं हो सकता लेकिन सिलीसेढ़ में अतिक्रमण की बाढ़ आ गई। साथ ही विधानसभा में भी पहले चरण में 16 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। सिलीसेढ़ क्षेत्र के बहाव क्षेत्र में किए गए 16 अतिक्रमण पर बुलडोजर चला। सिलीसेढ़ शील के बहाव क्षेत्र और बफर जोन में बनाए गए



होटल पर प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की है। मॉलवार की सुबह 6 बजे से ही प्रशासन का अमला पहुंच गया। शुरुआत सिलीसेढ़ में की गई अवैध प्लांटिंग से की गई। अवैध प्लांटिंग के लिए चारों ओर दीवार बनाकर रोका गया रास्ता हटाया गया। आसपास के लोग भी एकत्र हो गए। भारी मात्रा में फोर्स है। सिलीसेढ़ में प्रभावशाली लोगों के होटल-रेस्टोरेंट शील के बहाव क्षेत्र व बफर जोन में 14 होटल-रेस्टोरेंट मिले हैं। वहीं शील से 50 मीटर इस क्षेत्र में लगभग 150 से ज्यादा अतिक्रमण हो गए। साथ ही विधानसभा में भी नेताओं ने

यह मुद्दा उठाया। पहले चरण में 16 अतिक्रमण चिन्हित किए गए। इन पर कार्रवाई 4 अगस्त को होनी थी लेकिन प्रशासन तिथि दो बार आगे बढ़ता रहा। अब 6 अगस्त को कार्रवाई हुई है। सिलीसेढ़ में प्रभावशाली लोगों के होटल-रेस्टोरेंट शील के बहाव क्षेत्र व बफर जोन में बने हुए हैं। जिन्हें प्रशासन ने एनजीटी के आदेश पर सर्वे कराया। बफर जोन में 14 होटल-रेस्टोरेंट मिले हैं। वहीं शील से 50 मीटर के दायरे में बहाव क्षेत्र में 16 अतिक्रमण मिले हैं। पूर्व में नॉटिस देने के बाद ये कार्रवाई की गई।

शेख हसीना के बेटे का बयान- देश नहीं छोड़ना चाहती थी मां, अब बांग्लादेश बन जाएगा पाकिस्तान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दे दिया है और देश छोड़कर भारत आ गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख हसीना अगले कुछ दिनों तक भारत में शरण ले सकती हैं और इसके बाद वह लंदन जा सकती हैं। शेख हसीना बांग्लादेश छोड़ना नहीं चाहती थीं, लेकिन परिवार के दबाव के चलते उन्हें ऐसा करना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में मौजूद उनके बेटे और पूर्व मुख्य सलाहकार सजीब वाजेद जाय ने इस बारे में खुलासा किया है।



सजीब वाजेद जाय ने एक इंटरव्यू में कहा कि बांग्लादेश अब पाकिस्तान जैसा हो सकता है। शेख हसीना बांग्लादेश छोड़ना नहीं चाहती थीं। लेकिन परिवार के दबाव के कारण और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता की वजह से उन्होंने देश छोड़ा। हमने जोर दिया कि यह उनके लिए सुरक्षित नहीं है। हम उनकी शारीरिक सुरक्षा को लेकर चिंतित थे, इसलिए हमने उन्हें देश छोड़ने को कहा। मैंने आज सुबह शेख हसीना से बात की। बांग्लादेश में अराजकता की स्थिति आप देख सकते हैं। वह ठीक है लेकिन बहुत निराशा है। यह उनके लिए बहुत दुख की बात है क्योंकि बांग्लादेश को एक विकसित राष्ट्र बनाना उनका सपना था। उन्होंने पिछले 15 वर्षों में इस दिशा में बहुत मेहनत की और देश को उन्नतियों और आर्थिकविकास से सुरक्षित रखा। बावजूद इसके अब मुखर

ने बांग्लादेश में विकास का काम किया है। अगर बांग्लादेश के लोग खड़े होंगे तो इच्छा नहीं दिखाते, तो उन्हें वहीं नेतृत्व मिलेगा, जिसके वे हकदार हैं। सजीब वाजेद ने बातचीत के दौरान कहा कि बांग्लादेश अब पाकिस्तान जैसा हो सकता है, उनका इशारा कट्टरपंथ की ओर था। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनकी मां ने देश के लिए अच्छा काम किया, तो उन्होंने जवाब दिया, बिल्कुल, आवामी लीग अभी भी देश की सबसे लोकप्रिय पार्टी बनी हुई है, जब उनसे पूछा गया कि क्या उनकी मां का बांग्लादेश में लौटने का कोई प्लान है, तो उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं। वह 77 साल की है।

मुस्लिम कर रहे हिंदू मंदिरों की हिफाजत, बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन के बीच अनोखी मुहिम



ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों के बीच हिंदू मंदिर निशाने पर हैं। इस बीच वहां के कुछ खंडों में एक अनोखी मुहिम शुरू की है। यह लोग टोली बनाकर बारी-बारी से मंदिरों की रक्षा कर रहे हैं, ताकि मुस्लिम प्रदर्शनकारी इसे निशाना न बना सकें। गौरतलब है कि नरसिंघी जिले के कांदिपारा गांव में काली मंदिर पर हमला हुआ है। रात के तीन बजे ढाका के ढाकेश्वरी हिंदू मंदिर की पहरेदारी करते हुए खंडों के विजुअल सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना देश छोड़कर जा चुकी हैं और सेना ने मोर्चा संभाल लिया है, जिसने अंतरिम सरकार का एलान कर दिया है। बांग्लादेश के मुस्लिम धर्मगुरु भी खुद ही मंदिरों की हिफाजत में लगे हुए हैं। इसके अलावा हिंदू इलाकों में सेना भी तैनात की गई है। सेना यहां पर हिंदुओं की मुसलमानों से हिफाजत कर रही है।

बांग्लादेश में देशव्यापी आंदोलन के समन्वयकों ने सोमवार को खंडों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद देश में पैदा हुई स्थिति में किसी को भी लूट का मौका न मिले। इसके साथ ही समन्वयकों ने खंडों से वांछित लक्ष्य हासिल होने तक शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का आग्रह किया। आंदोलन के समन्वयकर्ताओं में से एक नाहिद इस्लाम ने खंडों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि वर्तमान स्थिति में किसी को भी लूट का अवसर न मिले। इस्लाम ने एक बाला समाचार चैनल के साथ बातचीत में कहा कि हमें अपनी राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा करनी है। इस अवसर पर किसी को भी लूटने का मौका नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने खंडों से वांछित लक्ष्य प्राप्त होने तक शांतिपूर्ण सड़कों पर बैठने की अपील करते हुए कहा कि उनके आंदोलन का उद्देश्य अन्य बातों के अलावा दमनकारी व्यवस्था में सुधार करना है।

जनरल ज़मान से बचना..., भारत ने एक साल पहले ही हसीना को किया था आगाह



ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में फेले अराजकता के बीच सोमवार को पीएम हसीना को आखिरकार इस्तीफा देना पड़ा। जान बचाने के लिए देश छोड़ने की भी नौबत आ गई और देश संभालने की जिम्मेदारी अब सेना ने ले ली है। हालांकि इन सब से पहले भारत ने एक साल पहले ही जनरल ज़मान को लेकर आगाह किया था। पिछले साल 23 जून, 2023 को बांग्लादेश के सेना प्रमुख के रूप में नियुक्त किए जाने से पहले शीर्ष भारतीय अधिकारियों ने शेख हसीना को जनरल ज़मान के चीन की तरफ झुकाव को लेकर आगाह किया था। हसीना को जनरल वेकर-उस-ज़मान को सेना प्रमुख के रूप में नियुक्त करके भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की सलाह पर ध्यान न देने की सीमा तक चुकानी पड़ी है। देश में बढ़ते विरोध को रोकने के



सबूत है कि अब देश में जमात-ए-इस्लामी और इस्लामी छात्रशिबिर जैसे इस्लामी संगठन देश की कट्टरपंथी सेना ने सिर्फ 45 मिनट का समय दिया। जूटा ने बीएनपी नेता खालिदा जिया को भी रिहा कर दिया गया। इस बात का

भारतीय ज्योतिषी ने पहले ही कर थी शेख हसीना की भविष्यवाणी, कहा था अगस्त में सावधान रहना

बांग्लादेश हिंसा से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा दे चुकी हैं और सुरक्षा के लिहाज से मुक्त से भी निकल चुकी हैं। अब कहा जा रहा है कि हसीना के इस हाल की भविष्यवाणी भारत के एक ज्योतिषी ने एक साल पहले ही कर दी थी। फिलहाल, पूर्व पीएम भारत में हैं और कहा जा रहा है कि उन्हें ब्रिटेन में शरण मिलने के लिए मंजूरी का इंतजार है। ज्योतिषी प्रशांत किनी ने अपने ही भविष्यवाणी पर बात की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स की एक पुरानी पोस्ट शेयर की और कहा, मैंने पहले ही पूर्वजमान लगा लिया था कि शेख हसीना अगस्त 2024 में मुश्किल में होंगी। क्या वह अपना देश छोड़कर भाग रही हैं। खबरें हैं कि परिवार के कहने पर ही हसीना ने देश छोड़े का फैसला किया है। किनी ने अपनी पुरानी पोस्ट शेयर की, जिसमें कहा था, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर मेरी भविष्यवाणी है कि शेख हसीना को 2024 के मई, जून, जुलाई और अगस्त महीने में सतर्क रहना चाहिए। उनपर जानलेवा हमले भी हो सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हसीना के इस्तीफा देने के बाद ही प्रदर्शनकारी उनके आवास पर पहुंच गए थे और जमकर हंगामा किया था। एजेंसी वार्ता के अनुसार, बांग्लादेश में दंगाइयों ने अपने नेता ओ हसीना के इस्तीफे के बीच आवामी लीग राजनीतिक दल के कई प्रतिनिधियों के घरों और कई सरकारी इमारतों में तोड़फोड़ की, हसीना के पूर्व निवास को भी लूट लिया गया। यूएनबी समाचार एजेंसी ने पार्टी नेताओं के हवाले से यह खबर दी। शेख हसीना के इस्तीफे की घोषणा के तुरंत बाद लोगों के एक समूह ने प्रवासी मामलों और विदेशी रोजगार राज्य मंत्री के आवास, शहर के न्याय विभाग और आवामी लीग के सदस्य आवामी लीग के शहर सचिव के आवास में तोड़फोड़ की और आग लगा दी।

2024 में होने वाले आम चुनाव नहीं लड़ना चाहती हैं। हालांकि और अपने समर्थकों के कहने के बाद वह बेमन से चुनाव मैदान में उतरी थीं। इस्लामवादीयों और परिचामी एजेंटों के खतरे को अच्छी तरह से जानते हुए हसीना नहीं चाहती थीं कि उनके परिवार में कोई भी उनका उत्तराधिकारी बने क्योंकि उन्हें पता था कि उनके विरोधी उन्हें मार देंगे। इस तरह हसीना इस्लामवादीयों के खिलाफ एक मजबूत दीवार थीं जो सोमवार को सेना की साजिशों की वजह से आखिरकार

वह गईं। कट्टरपंथी छात्र हो सकते हैं सेना के खिलाफ: भले ही सेना और उसाही कट्टरपंथी शेख हसीना के जाने का जश्न मना रहे हों लेकिन बांग्लादेश खुद पाकिस्तान, मालदीव और श्रीलंका की